दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

आरएनआई नं.
MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं.
MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-5 अंक-197, गुरुवार 02 जून 2022, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

सुविचार

"एक चीज जिससे डरा जाना चाहिए वह डर है।" - फ्रेंकलिन डी. रुज़वेल्ट

राम मंदिर का गर्भगृह निर्माण शुरू

मुख्यमंत्री योगी ने राम मंदिर के गर्भगृह की आधारशिला रखी, बोले- यह राष्ट्र मंदिर होगा

अयोध्या , एजेंसी। अयोध्या में चल रहे राम मंदिर निर्माण के लिए आज का दिन ऐतिहासिक है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज गर्भ गृह की आधारशिला रखी. इसके साथ ही राम मंदिर के लिए कई सालों से तराशे जा रहे पत्थरों का इस्तेमाल शुरू हो गया. अयोध्या में भव्य राममंदिर के निर्माण के लिए आज ऐतिहासिक दिन है. आज से गर्भगृह का निर्माण शुरू हो गया. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज गर्भगृह के निर्माण के लिए पहली शिला रखी. इसके साथ ही 29 मई से शुरू हुआ सर्वदेव अनुष्ठान का समापन हो गया. अब सीएम योगी निर्माण स्थल के पास द्रविड़ शैली में बने मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में भी शामिल होंगे.

अयोध्या राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने कहा कि अधिरचना पर काम आज से शुरू हो रहा है, हमारे पास कार्यों को पूरा करने के लिए 3-चरण की समय सीमा है, 2023 तक गर्भगृह, 2024 तक मंदिर निर्माण और 2025 तक मंदिर परिसर में मुख्य निर्माण होगा. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले 500 साल से देश के साधु-संत राम मंदिर आंदोलन को चला रहे थे, आज उन सभी लोगों के दिल को खुशी मिली होगी, गर्भगृह का पहला पत्थर रख दिया है, गोरक्षनाथ पीठ की तीन पीढ़ी इस मंदिर आंदोलन से जुड़ी हुई थी. गर्भगृह का पहला पत्थर रखने के बाद मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज से शिलाओं के रखने का काम तेजी से शुरू हो जाएगा, अब वो दिन दूर नहीं है जब मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर अयोध्या धाम में बनकर तैयार हो जाएगा, यह मंदिर भारत का राष्ट्र मंदिर होगा.

द्रविण शैली के मंदिर श्री रामलला सदन का उद्घाटन किया

राम मंदिर से सौ मीटर दूर द्रविड़ शैली के मंदिर श्री रामलला सदन का उद्घाटन सीएम योगी ने किया। दक्षिण भारत के कलाकारों ने तीन साल में इस मंदिर को तैयार किया है। कार्यक्रम में जगदुरु श्रीनिवासाचार्य कांची, श्रीरंग मंदिर वृंदावन के अध्यक्ष स्वामी रंगाचार्य और जगदुरु रामानुजाचार्य स्वामी वासुदेवाचार्य विद्या भास्कर मौजूद थे। रामलला सदन के महंत जगदुरु रामानुजाचार्य स्वामी राघावाचार्य हैं। उन्होंने बताया कि मंदिर में भगवान श्रीराम, लक्ष्मण और जानकी के साथ भगवान विष्णु, हनुमान जी और रंगनाथ जी सहित जय-विजय की प्रतिमाओं की स्थापना की जा रही हैं। मंदिर में भगवान विष्णु के वाहन गरुड़ के 30 फिट ऊंचे स्तंभ का निर्माण किया गया है।

पहले हनुमानगढ़ी में किए थे योगी ने दर्शन

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए सुबह नौ बजे अयोध्या पहुंच गए थे। उन्हें रिसीव करने के लिए उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या राम कथा पार्क पहुंचे थे। यहां से पहले वह साढ़े नौ बजे हनुमानगढ़ी में दर्शन करने पहुंचे। वहां उन्होंने पूजा अर्चना की। इसके बाद राम जन्मभूमि के लिए रवाना हो गए।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या ने इस मौके पर कहा- देश की सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण शुरू हुआ। पहले चरण का काम राम जन्मभूमि परिसर में पूरा हो गया है। आज दूसरे चरण के क्रम में काम शुरू हुआ है। आज का दिन राम भक्तों के लिए है खुशी का दिन। राम भक्तों को शुभकामना। हनुमान जी की कृपा से सब काम हो रहा है। मैं सौभाग्यशाली हूं कि मंदिर निर्माण का साक्षी बन रहा हूं। राम मंदिर आंदोलन के सिपाही के तौर पर मुझे भी मिला है मौका। तैयारी के लिए मंदिर निर्माण समिति के चेयरमैन नृपेंद्र मिश्रा अयोध्या पहुंच गए हैं। अयोध्या राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने कहा- अधिरचना पर काम आज से शुरू हो रहा है। हमारे पास कार्यों को पूरा करने के लिए 3-चरण की समय सीमा है। उन्होंने बताया कि साल 2023 तक गर्भगृह, 2024 तक मंदिर निर्माण और 2025 तक मंदिर परिसर में मुख्य निर्माण पूरा कर लिया जाएगा।

सोनिया-राहुल को ईडी का नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी को समन भेजा। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग केस (अंडर सेक्शन 50 एक्ट) में राहुल गांधी को 2 जून यानी कल और सोनिया गांधी को 8 जून को पूछताछ के लिए बुलाया है। सूत्रों के मुताबिक राहुल ने बाहर होने का हवाला देकर अभी वक्त मांगा है, जबकि सोनिया 8 जून को पूछताछ में शामिल होंगी।

एजेंसी ने नेशनल हेराल्ड केस की जांच में दोनों नेताओं को शामिल होने को कहा है। इस केस में ईडी ने कांग्रेस के 2 बड़े नेता पवन बंसल वह मल्लिकार्जुन खड़गे को बीते 12 अप्रैल को जांच में शामिल किया था। 2014 में सुब्रमण्यम स्वामी ने सोनिया और राहुल के खिलाफ केस दर्ज कराया था। इसमें स्वामी ने गांधी परिवार पर 55 करोड़ की गड़बड़ी का आरोप लगाया था।

कांग्रेस का केंद्र सरकार पर हमला

कांग्रेस ने नोटिस जारी होने पर केंद्र सरकार पर हमला बोला है। प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि तानाशाह सरकार डर गई है, इसलिए बदले की कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार बदले की भावना में अंधी हो गई है। नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया और राहुल को ईडी का समन भेजा है। सुब्रमण्यम स्वामी ने 2012 में आरोप लगाया था कि कांग्रेस ने पार्टी फंड से राहुल और सोनिया को 90 करोड़ रुपए दिए थे। इसका मकदस एसोसिएट जर्नल्स की 2 हजार करोड़ की संपत्ति हासिल करना था। इसके लिए गांधी परिवार ने महज 50 लाख रुपए की मामूली रकम दी थी।

भाजपा अध्यक्ष का सोनिया-राहुल पर तंज

भोपाल में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सोनिया-राहुल को ईडी के नोटिस पर कहा- चेहरा गड़बड़ है और वे आईना साफ कर रहे हैं। कभी आपने देखा कि कोई मुजरिम बोले कि मैं बेईमान हूं। राहुल गांधी न तो इंडियन, न नेशनल, न कांग्रेस के रह गए हैं। कांग्रेस तो भाई-बहन की पार्टी है। वह तो लंदन जाकर बोलते हैं।

छत्तीसगढ़ में चपरासी के पदों पर निकली भर्ती, 8वीं पास इस तारीख से कर सकते हैं अप्लाई

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सरकारी नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं के लिए सीजीपीएससी में रोजगार पाने का बढ़िया मौका सामने आया है. यहां प्यून के 80 पदों पर योग्य उम्मीदवारों से आवेदन मांगे गए हैं. वे कैंडिडेट्स जो प्यून के इन पदों पर अप्लाई करना चाहते हों, वे एप्लीकेशन लिंक एक्टिव होने के बाद फॉर्म भर सकते हैं. इन पदों पर आवेदन प्रक्रिया अभी शुरू नहीं हुई है. आवेदन शुरू होंगे 08 जून 2022 से.

छत्तीसगढ़ के प्यून पदों पर आवेदन अभी शुरू नहीं हुए हैं. 08 जून से इन पदों के लिए अप्लाई किया जा सकेगा और आवेदन करने की लास्ट डेट 02 जुलाई 2022 है. एप्लीकेशन में करेक्शन 08 जुलाई से 12 जुलाई के बीच किया जा सकता है. एप्लीकेशन ऑनलाइन होंगे जिसके लिए आपको सीजीपीएससी की आधिकारिक वेबसाइट पर जाना होगा, जिसका पता है psc.cg.gov.in इनके लिए शुल्क का भुगतान भी ऑनलाइन ही होगा. ये भी ध्यान रहे कि ऑनलाइन के अलावा किसी और माध्यम से किए गए आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे

कौन है आवेदन के लिए योग्य

सीजीपीएससी के प्यून पदों पर आवेदन करने के लिए जरूरी है कि कैंडिडेट ने किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से क्लास 8 पास किया हो. इसके साथ ही उसे साइकिल चलानी आती हो. इन पदों के लिए आयु सीमा 18 से 35 वर्ष तय की गई है

गायक केके के पार्थिव शरीर को बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, एजेंसी। मंगलवार की रात गायक केके का बंगाल में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था। हालांकि उनके शरीर पर चोट के निशान मिलने के बाद पुलिस ने अननेचुरल डेथ का मामला भी दर्ज किया है। इस बीच बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी केके के निधन पर गहरा गहरा दुख प्रकट कर संवेदना व्यक्त की थी। अब वह केके के पार्थिव शरीर को श्रद्धांजलि देने पहुंची हैं। एएनआई ने एक ट्वीट किया है। इसमें ममता बनर्जी को गायक केके के पार्थिव शरीर पर फूल चढ़ाते हुए देखा जा सकता है। एएनआई ने लिखा है, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गायक केके को रवींद्र सदन में अंतिम श्रद्धांजलि दी है। इसके साथ दो तस्वीरें शेयर की गई है। इसमें वह केके के शरीर पर फूल चढ़ा रही है। वहीं दूसरी फोटो में वह हाथ जोड़े नजर आ रही हैं। एएनआई ने इस बात की भी जानकारी दी थी कि गायक केके के पार्थिव शरीर को एसएसकेएम अस्पताल से रवींद्र सदन ले जाया गया। गौरतलब है कि केके लोकप्रिय गायक थे। उन्होंने कई फिल्मों में गाने गाए थे। वह बंगाल में एक लाइव कंसर्ट में परफॉर्म कर रहे थे। इस दौरान उनकी तबीयत बिगड़ रही थी और कॉन्सर्ट से अस्पताल ले जाते वक्त उनका निधन हो गया। उनके निधन पर कई लोगों ने दुख जताया है। इनमें बॉलीवुड के भी कई कलाकार शामिल है।

केके का अंतिम संस्कार मुंबई में किया जाएगा

केके का अंतिम संस्कार मुंबई में किया जाएगा। वह कई फिल्मों में लोकप्रिय गाने गा चुके है। उनके गाए हुए गाने काफी पसंद किए गए है। केके की काफी बड़ी फैन फॉलोइंग थी। अब उनके निधन पर सभी दुखी है।

पीएम ने जताया शोक

पीएम मोदी ने केके के निधन पर दुख जताया है। पीएम ने कहा केके के निधन से दुखी हूं, उनके गानों से हर उम्र के लोग जुड़े हुए हैं। वो अपने गानों के जरिए हमारे दिल में हमेशा जिंदा रहेंगे। ईश्वर उनके परिवार को शक्ति दे। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने भी केके के निधन पर शोक जताया है। केके के निधन से बॉलीवुड इंडस्ट्री में दुख का माहौल है। अभिनेता अक्षय कुमार, सिंगर अरमान मलिक, एक्ट्रेस सोनल चौहान और मुनमुन दता समेत कई सेलेब्स ने उनके निधन पर दुख जताया है। देश ने पिछले 2 दिन में परफॉर्मेंस के दौरान केके समेत दो सिंगर्स को खो दिया है।

19 किलो वाले गैस सिलेंडर की कीमतों में आयी भारी गिरावट, 135 रुपये प्रति सिलेंडर की कमी

नई दिल्ली, एजेंसी। किचन में इस्तेमाल होने वाले गैस सिलेंडर की कीमतों में लगातार बढ़ते दामों के बीच अब ग्राहकों को राहत दी है। सरकारी तेल और गैस कंपनियों ने सिलेंडर की कीमत में 135 रुपए की राहत दी है। गैस की नई कीमत एक जून यानी बुधवार से लागू हो गई है।19 किलो वाले रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में 135 रुपये प्रति सिलेंडर की कमी की गई। दिल्ली में अब इसकी कीमत 2219 रुपये, कोलकाता में 2322 रुपये, मुंबई में 2171.50 रुपये और चेन्नई में 2373 रुपये होगी। घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की दरों में कोई बदलाव नहीं। हालांकि, इसका फायदा केवल व्यावसायिक उपभोक्ताओं को ही मिलेगा। क्योंकि, गैस कंपनियों ने केवल कामर्शियल सिलेंडर की कीमत में ही बदलाव किया है। घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत को पहले की तरह ही रखा गया है। पटना में फिलहाल घरेलू गैस सिलेंडर 1101 रुपए का पड़ रहा है। यह कीमत देश की राजधानी दिल्ली से भी अधिक है। ऐसा राज्य सरकार की ओर से लगाए टैक्स में अंतर के कारण होता है। तेल और गैस कंपनियों ने कामर्शियल सिलेंडर में बड़ी राहत दी हैं। 19 किलो वाला सिलेंडर 130.50 रुपये सस्ता हो गया है। इसी तरह से 47.5 किलो वाले सिलेंडर की भी 327.00 रुपये कीमत घटा दी गई है। रेस्टोरेंट, होटल सहित व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को इससे राहत मिलेगी। हालांकि घरेलू रसोई गैस की कीमतों को यथावत रखा गया है। नयी दरें एक जून से प्रभावी हो गई हैं।

एशिया कप हॉकी में भारत को ब्रॉन्ज मेडल, जापान को 1-0 से दी मात

नई दिल्ली। भारतीय हॉकी टीम ने एशिया कप का ब्रॉन्ज मेडल जीत लिया है। बुधवार को तीसरे स्थान के लिए खेले गए मुकाबले में भारत ने जापान को 1-0 से हराया। मैच का इकलौता गोल राजकुमार पाल ने किया। सुपर-4 के अपने आखिरी मैच में साउथ कोरिया के साथ मुकाबला 4-4 की बराबरी पर खेलने के कारण भारतीय टीम फाइनल में नहीं पहुंच सकी, उस मैच में भारत के लिए जीत हासिल करना जरूरी था। फाइनल मुकाबला साउथ कोरिया और मलेशिया के बीच खेला जाएगा।

भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने मंच पर नरोत्तम मिश्रा से दिखाया दोस्ताना मुख्यमंत्री देने लगे तो परिचय तो मिश्रा को रोककर मिलाया हाथ

भोपाल। मध्य प्रदेश भाजपा में सीएम शिवराज सिंह चौहान और गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा के औपचारिक रिश्ते होने की चर्चा आम है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के विमानतल पर स्वागत मंच पर भी यह दिखाई भी दिया। गृह मंत्री मिश्रा ने गुलदस्ता देकर नड्डा का स्वागत किया तो सीएम चौहान उनका परिचय कराने लगे। नड्डा ने इसे नजरअंदाज किया और मिश्रा को जाने से रोका। उन्हें रोककर नड्डा ने हाथ मिलाया तो तीनों नेताओं की बॉडी लेंग्वेज बिलकुल देखने लायक थी।

भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा आज भोपाल पहुंचे जहां उनके विमानतल पर उतरने के बाद कार्यकर्ताओं ने जमकर स्वागत किया। स्वागत के दौरान व मंच पर एकबार फिर भाजपा के तीन दिग्गज नेताओं के औपचारिक रिश्ते दिखाई दिए। स्वागत के दौरान जहां राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय, नड्डा के करीब दिखाई देते रहे तो मंच पर नड्डा ने गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा को रोक कर हाथ मिलाया। सीएम शिवराज सिंह चौहान असहज दिखाई दिए। कैलाश विजयवर्गीय जब स्वागत कर रहे थे तो आसपास खड़े प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा पीछे रह गए।

नड्डा का मंत्री व भोपाल विधायकों द्वारा स्वागत के दौरान सीएम चौहान करीब खड़े थे। वे परिचय करा रहे थे। गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा जब गुलदस्ता देने पहुंचे तो सीएम उनका परिचय कराने झुके मगर नड्डा ने गौर नहीं किया। मिश्रा गुलदस्ता देकर जाने लगे तो नड्डा ने उन्हें रोककर करीब बुलाया और हाथ मिलाकर रवाना किया। यह दृश्य वीडियो में कैद हो गया और उसमें सीएम, नड्डा व नरोत्तम मिश्रा की बॉडी लेंग्वेज को देखा जा सकता है।

नगाड़ों-ढोल और शंख ध्वनि से स्वागत

नड्डा का भोपाल में नगाड़ों, ढोल और शंख ध्वनि से स्वागत किया गया। नड्डा और शिवराज सिंह चौहान ने पंचायत और नगरीय निकाय चुनाव में बीजेपी का शंखनाद किया। आज ही के दिन भोपाल का भारत में विलय हुआ था और इस दिन को नड्डा और मुख्यमंत्री चौहान ने याद किया। उन्होंने भोपाल के लोगों को बधाई भी दी। नड्डा ने कार्यकर्ताओं को कहा कि आपके हाथ में कमल है तो गर्व होना चाहिए। कांग्रेस पर हमला बोलते हुए नड्डा ने कहा कि उनके यहां सभी नेता हैं, कार्यकर्ता नहीं हैं। हमारे यहां करोड़ों कार्यकर्ता हैं जिनके हाथों में कमल है।

न्यूज ब्रीफ

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रसिद्ध गायक श्री कृष्ण कुमार कुन्नथ के निधन पर शोक व्यक्त किया

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने के.के. के नाम से प्रसिद्ध गायक, श्री कृष्ण कुमार कुन्नथ के असमय निधन पर शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि अपनी मधुर आवाज और मनमोहक अंदाज से सबको अपना बना लेने वाले गायक श्री कुन्नथ का असमय निधन संगीत जगत की अपूरणीय क्षति है। वे एक उत्कृष्ट कलाकार थे, जिनकी कमी कभी पूरी नहीं की जा सकेगी।

बच्चों के बेहतर भविष्य और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए समन्वित प्रयास जरूरी

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने अंतर्राष्ट्रीय बाल रक्षा दिवस पर बच्चों की बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य और उन्हें पोषण आहार प्रदान करने के प्रयासों में जन-भागीदारी को प्रोत्साहित करने की अपील की है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सोशल मीडिया के माध्यम से संदेश दिया है कि सशक्त बच्चे, सुदृढ़ समाज की नींव हैं। बच्चों के बेहतर भविष्य और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए समन्वित प्रयास जरूरी हैं। उल्लेखनीय है कि बच्चों के अधिकारों की रक्षा करने की आवश्यकता की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित करने के लिए वर्ष 1950 से प्रतिवर्ष एक जून को संपूर्ण विश्व में अंतर्राष्ट्रीय बाल रक्षा दिवस मनाया जाता है।

अपने पैरों पर खड़ी होउंगी, माता-पिता का नाम भी रोशन करूँगी

भोपाल। मण्डला की समीक्षा केवट कहती हैं मैं अपनी पढ़ाई पूरी करके खुद अपने पैरों पर खड़ा होना चाहती हूँ और अपने माता-पिता का नाम भी रोशन करूँगी। आँखों में एक चमक के साथ समीक्षा कहती है मामा शिवराज सिंह चौहान ने हम बेटियों की हर चिंता दूर कर दी है। मुझे लाड़ली लक्ष्मी योजना से बहुत मदद मिल रही है। समीक्षा कहती है लाड़ली लक्ष्मी योजना मेरे जन्म से ही परी की तरह मेरे साथ है। मेरे जन्म पर जैसे ही मुझे लाड़ली लक्ष्मी योजना का लाभ मिला, माता-पिता की खुशी दोगुनी हो गई। पाँचवीं पास करके जब मैंने छठवीं में एडमिशन लिया, तो मुझे 2 हजार रूपये मिले। मुझे नवीं, दसवीं और बारहवीं में भी सहायता राशि मिलेगी। योजना की मदद से मैं अपनी पढ़ाई जारी रख पा रही हूँ। मम्मी कहती हैं मामा मुख्यमंत्री श्री चौहान हैं, तो तुम्हारी पढ़ाई जरूर पूरी होगी।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भोपाल में : सोनिया-राहुल को ईडी के नोटिस पर नड्डा बोले-

चेहरा गड़बड़ है और आईना साफ कर रहे

भोपाल

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सोनिया-राहुल को ईडी के नोटिस पर कहा- चेहरा गड़बड़ है और वे आईना साफ कर रहे हैं। कभी आपने देखा कि कोई मुजरिम बोले कि मैं बेईमान हूं। राहुल गांधी न तो इंडियन, न नेशनल, न कांग्रेस के रह गए हैं। कांग्रेस तो भाई-बहन की पार्टी है। वह तो लंदन जाकर बोलते हैं।

कांग्रेस की स्थिति पर कसा तंज

मध्यप्रदेश के तीन दिवसीय दौरे पर आज सुबह 10 बजे भोपाल पहुंचे नड्?डा ने स्वागत भाषण में कहा- कल मुझे एक कांग्रेसी नेता मिले। मैंने कहा- तुम्हारा हाल बहुत खराब है, तो बोले- होगा क्यों नहीं। मैंने फिर कहा- तुम्हारी पार्टी में है क्या, बताओ? तुम एक प्रदेश के इंचार्ज हो, क्या चल रहा है तुम्हारी पार्टी में? कहने लगे- नड्?डाजी, 40 तो हमारे यहां महामंत्री हैं और 156 मंत्री। कार्यकर्ता कोई नहीं है।

शिवराज ने दिलाया निकाय-पंचायत चुनाव में जीत का भरोसा

इससे पहले स्टेट हैंगर पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उनकी अगवानी की। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा- ढोल बज गए हैं। शंख फूंक दिया गया है। नड्?डाजी को विश्वास दिलाओ कि स्थानीय चुनाव में, चाहे नगरीय निकाय चुनाव हों या पंचायत, इनमें भारतीय जनता पार्टी शानदार सफलता प्राप्त करेगी।

मुख्यमंत्री ने जे.पी. नड्डा की विशेष उपस्थिति में गुरुद्वारा गुरु नानक टेकरी साहब ईदगाह हिल्स पहुँचकर मत्था टेका और अरदास की।

सियासी तौर पर अहम माना जा रहा दौरा:- मध्यप्रदेश में नड्डा का दौरा ऐसे समय पर हो रहा है, जब यहां त्रिस्तरीय पंचायत और नगरीय निकाय चुनाव का बिगुल बज चुका हैं। ऐसे में उनके दौरे को सियासी तौर पर काफी अहम माना जा रहा है। पूरी तरह से चुनावी मोड में आ चुके मध्यप्रदेश में वे आने वाले विधानसभा और लोकसभा चुनाव के रोडमैप पर पार्टी के पदाधिकारियों से चर्चा करेंगे। पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूती देने का मंत्र नड्डा देंगे। दरअसल, बूथ जीता तो चुनाव जीता, माइक्रो मैनेजमेंट फॉर्मूले के तहत बीजेपी चुनावी स्ट्रैटजी अपना रही है। इसलिए प्रदेश के बूथ की कमजोरी को दूर करने की प्लानिंग तैयार कर इम्प्लीमेन्ट करने पर फोकस रहेगा। वहीं सरकार और संगठन में तालमेल बनाए रखने का संदेश दे सकते हैं।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में नड्डा ने कहा-

- कोरोनाकाल में जब नेता ट्विटर पर मिलते थे, उस समय भारतीय जनता पार्टी ने जनता के बीच काम किया।
- आज जम्मू कश्मीर में चुनाव शांति से हो रहे हैं। इसीलिए वहां के नेताओं में फ्रस्ट्रेशन है। भारत सरकार जम्मू-कश्मीर को मेन स्ट्रीम में लाने के लिए कटिबद्ध है।
- जब कमलनाथ की सरकार आई तो भाजपा सरकार की अच्छी स्कीम्स को बंद कर दिया था। कांग्रेस, करप्शन और कमीशन साथ चलते हैं।
- 2023 के विधानसभा चुनाव पर बोले- शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में ठीक सरकार चल रही है।
- सीएए कॉमन सिटिजन को टच नहीं करता। जो लोग बांग्लादेश, पाकिस्तान, अफगानिस्तान से आए हैं, उनको सिटिजनशिप राइट देने के लिए लाया जा रहा है।
- देश की भी प्रति व्यक्ति आय भी बढ़ी है ये 79,000 से 1,50,000 तक पहुंच गई है।

राज्यपाल श्री मंगूभाई पटेल को मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने जन्म-दिवस की शुभकामनाएँ दी हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने राजभवन पहुँचकर राज्यपाल श्री पटेल को पुष्प-गुच्छ भेंट किया तथा उनके स्वस्थ-दीर्घ जीवन की कामना की।

मुख्यमंत्री ने नीम और पीपल के पौधे रोपे

स्माइल फॉर ऑल सोसाइटी के कार्यकर्ताओं ने भी किया पौध-रोपण

भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने स्मार्ट सिटी उद्यान में, स्माइल फॉर ऑल सोसाइटी के श्री अंकित यादव, सुश्री आयुषी ठाकुर और श्री प्रशांत सोनी के साथ नीम और पीपल के पौधे लगाएं। यह सोसाइटी स्कूल शिक्षा से वंचित रहे बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के लिए कार्य कर रही है। सोसायटी ने अब तक 1000 से अधिक वंचित बच्चों को शिक्षा उपलब्ध कराने की व्यवस्था की है। सोसाइटी से लगभग 700 परोपकारी लोग जुड़े हैं, जो दान के माध्यम से बच्चों की शिक्षा का खर्च वहन करते हैं और बच्चों की अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं। स्मार्ट उद्यान में आज लगाया गया पीपल का पौधा पर्यावरण शुद्ध करने वाला माना गया है। यह छायादार वृक्ष के रूप में भी जाना जाता है। इसका धार्मिक और आयुर्वेदिक महत्व भी है। इसी तरह एंटीबायटिक तत्वों से भरपूर नीम को औषधि के रूप में जाना जाता है।

राज्यपाल श्री पटेल को मुख्यमंत्री श्री चौहान और मंत्रियों ने राजभवन पहुँचकर दी बधाई

राज्यपाल श्री पटेल का जन्म-दिवस गरिमामय सादगी के साथ मना राजभवन में स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

भोपाल

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल का जन्म-दिवस राजभवन में गरिमामय सादगी के साथ मनाया गया। राज्यपाल को मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज प्रातः राजभवन पहुँचकर, पुष्प-गुच्छ और उपहार भेंट कर जन्म-दिवस की बधाई दी। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसी सिलावट और उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी राजभवन पहुँचकर जन्म- दिवस की बधाई दी। राज्यपाल श्री पटेल के जन्म-दिवस पर राजभवन में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान द्वारा दंत परीक्षण शिविर और शासकीय होम्योपैथी चिकित्सा महाविद्यालय द्वारा वरिष्ठ जन जाँच, चिकित्सा शिविर एवं औषधि वितरण किया गया। राज्यपाल श्री पटेल ने जन्म-दिवस पर राजभवन परिसर और कुम्हारपुरा स्कूल के बच्चों को स्कूल बैग, महिला कर्मचारियों को स्वच्छता किट का वितरण किया। श्री पटेल ने प्रातःकाल में राजभवन स्थित गो-शाला में गो-पूजन किया। गो-माता को हरा चारा खिलाया। राजभवन स्थित धन्वंतरि उद्यान का भ्रमण कर, भगवान धन्वंतरि की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उद्यान में तुलसी और पपीते का पौधा रोपा। परिसर में वटवृक्ष के पौधे का रोपण किया।

राजभवन में गरिमामय कार्यक्रम में राज्यपाल श्री पटेल ने जन्म-दिवस की शुभकामनाएँ स्वीकार की। राज्यपाल को राजभवन प्रेस प्रकोष्ठ द्वारा सेवा-साधना फोल्डर की प्रथम प्रति भेंट की गई। बधाई देने वालों में जनजातीय प्रकोष्ठ के सदस्यों सहित अध्यक्ष श्री दीपक खांडेकर, राज्यपाल के प्रमुख सचिव श्री डी.पी. आहूजा, उप सचिव श्री धरणेन्द्र कुमार जैन, विधि अधिकारी श्री डी.पी.एस. गौर, परिसहाय द्वय श्री सुभाष आनंद, श्री अगम जैन, नियंत्रक श्रीमती सुरभि तिवारी, सुरक्षा अधिकारी श्री इंद्रजीत सिंह चावड़ा,चिकित्सक डॉ. बी.के. श्रीवास्तव, संगीता जैन, डॉ. गीता सुकुमार, सत्कार अधिकारी श्रीमती शिल्पी दिवाकर, राजभवन कुम्हारपुरा स्कूल के शिक्षक और बच्चे, होम्योपैथी दंत चिकित्सा शिविर के चिकित्सक, राजभवन की डिस्पेंसरी, आयुष, होम्योपैथी के पेरामेडिकल स्टॉफ, राजभवन सचिवालय, उद्यानिकी, पुलिस बैरक, लोक निर्माण विभाग एवं प्रेस प्रकोष्ठ के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी ने राज्यपाल का अभिनंदन कर जन्म-दिवस की बधाई दी।

भोपाल में 22 फीसदी कम गेहूं खरीदी : टारगेट 30 लाख था, खरीद सके 23.46 लाख क्विंटल; विदिशा-सीहोर में सबसे ज्यादा

भोपाल

इस बार भोपाल गेहूं खरीदी के टारगेट से पीछे रह गया। करीब 22 फीसदी गेहूं की कम खरीदी हुई है। टारगेट 30 लाख क्विंटल था, जबकि सरकार 23.46 लाख क्विंटल ही खरीद पाई। हालांकि, पड़ौसी जिले विदिशा और सीहोर में बंपर खरीदी की गई। यही वजह है कि गेहूं खरीदी के मामले में भोपाल संभाग प्रदेशभर में अव्वल रहा। प्रदेश में गेहूं खरीदी करीब दो महीने चली। कम खरीदी होने से सरकार ने 15 दिन के लिए डेट भी आगे बढ़ाई। बावजूद प्रदेश के कुछ जिलों में टारगेट के मुताबिक गेहूं नहीं खरीदा जा सका। भोपाल, राजगढ़ समेत कई जिले इनमें शामिल हैं। यूक्रेन-रूस विवाद के बाद खुले बाजार में गेहूं की डिमांड बढ़ गई।

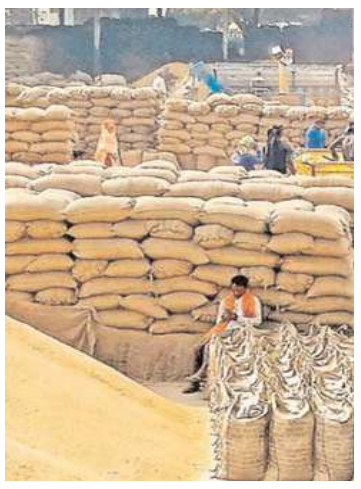

बड़ी एक्सपोर्टर कंपनियां मंडियों से सीधे गेहूं खरीदने लगी। इस कारण अच्छी क्वॉलिटी के गेहूं के भाव 2500 रुपए प्रति क्विंटल तक पहुंच गए। ऐसे में किसानों का रुझान सरकार को गेहूं बेचने में कम रहा। मंडियों से किसानों को हाथोंहाथ कीमत मिली, जबकि सरकार को बेचने में कई दिन का इंतजार करना पड़ा। खरीदी के दौरान मंडियों में गेहूं के रेट समर्थन मूल्य 2015 रुपए प्रति क्विंटल से ज्यादा ही मिले।

संभाग में यह रही खरीदी की तस्वीर

755 केंद्र थे
749 पर खरीदी की गई
कुल 1 लाख 86 हजार 397 किसानों ने गेहूं बेचा
169 लाख क्विंटल से ज्यादा गेहूं खरीदा
100 फीसदी परिवहन हुआ गेहूं

अब मंडियों में बढ़ेगी आवक:- सरकारी खरीदी बंद होने के बाद जिन किसानों ने गेहूं सहेजकर रखा है, वे मंडियों में बेचने जाएंगे। ऐसे में मंडी में आवक बढ़ सकती है। हालांकि, अधिकांश किसान अपना गेहूं पहले ही बेच चुके हैं। प्रदेश में गेहूं की खरीदी कम होने से सरकार को फायदा मिला। मप्र सरकार को आरबीआई से गेहूं खरीद के लिए 25 हजार करोड़ रुपए की कैश क्रेडिट लिमिट मिली थी। खरीद कम होने से सरकार को 8.8 हजार करोड़ रुपए का ही कर्ज लेना पड़ा। इससे सरकार पर सालाना 1215 करोड़ रुपए का ब्याज का भार नहीं आएगा। पिछले साल से 64 फीसदी खरीद कम होने से खाद्य विभाग को हर माह 75 करोड़ रुपए का किराया प्राइवेट वेयरहाउस को नहीं देना पड़ेगा।

दैनिक इंटीग्रेटेड ट्रेड डेवलपमेंट सेंटर न्यूज
मध्य भारत का एक विश्वसनीय दैनिक | 98 26 22 00 22
अर्थव्यवस्था, शिक्षा,
नियोजन, उद्भव,
पर्यावरण, मनोरंजन.
आपकी बात
आपके साथ
We Are One- Veer
PRESS ITDC ITDC NEWS

छग में बेरोजगारों का मेला, 22 पदों की सीधी भर्ती के लिए पहुंचे हजारों अभ्यर्थी

रायपुर के महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज में इंटरव्यू होना था. सुबह 10 बजे इंटरव्यू खत्म होने का समय निर्धारित किया गया था. बेरोजगारों की भीड़ इतनी बढ़ गई कि इंटरव्यू समय पर पूरा नहीं हो सका।

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में एक बार फिर बेरोजगारों मेला लगा है. यहां 22 पदों पर सीधी भर्ती के लिए 4 हजार से ज्यादा बेरोजगार पहुंच गए. हालत ये हो गई कि सुरक्षा के लिए कॉलेज में पुलिस तैनात करना पड़ा. मंगलवार को चिलचिलाती धूप में हजारों अभ्यर्थी रोजगार की आस लिए पूरे प्रदेश से राजधानी रायपुर पहुंचे थे. इनकी संख्या इतनी अधिक थी कि सड़क पर घंटे भर का जाम लग रहा, लेकिन सभी अभ्यर्थियों का इंटरव्यू नहीं हो सका.

दरअसल रायपुर जिले के स्वामी आत्मानंद स्कूल के शिक्षक, सहायक शिक्षक, आया, स्वीपर और भृत के कुल 22 पदों के लिए सीधी भर्ती के लिए आवेदन मंगाए गए थे. रायपुर के शासकीय महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज में इंटरव्यू होना था. सुबह 10 बजे इंटरव्यू खत्म होने का समय निर्धारित किया गया था, लेकिन बेरोजगारों की भीड़ इतनी बढ़ गई कि इंटरव्यू समय पर पूरा नहीं हो सका. अभर्थ्यी सड़क किनारे और कॉलेज परिसर में दिनभर भटकते रहे. आवेदकों के पंजीयन के लिए सुबह 9 से 10ः30 बजे का समय निर्धारित किया गया था. इसके बाद साढ़े 10 से साढ़े 12 बजे तक दस्तावेज सत्यापन के लिए टाइम दिया गया था. सुबह से ही अभ्यर्थी के आने का सिलसिला शुरू हुआ जो 1 बजे तक लगातार चलते रहा.

भगदड़ जैसी बन गई स्थिति

देखते ही देखते अभ्यर्थियों की संख्या सैकड़ों से हजारों में हो गई. सीधी भर्ती की प्रक्रिया गड़बड़ा गई. इधर अभ्यर्थी अपने इंटरव्यू के इंतजार में बेचैन होते गए. कॉलेज में भगदड़ जैसी स्थिति हो गई. अभ्यर्थी इंटरव्यू के लिए यहां से वहां भागते रहे. सीधी भर्ती में शामिल होने आए अभर्थियों ने मीडिया से बातचीत के दौरान बताया कि इतनी भीड़ में सलेक्शन कैसे होगा ये नहीं कहा जा सकता है. इंटरव्यू में भी सिर्फ नाम पता और अपने बार में पूछ कर बाहर भेज दिया जाता था. वहीं एक महिला अभ्यर्थी ने बताया कि 8 घंटे से तेज धूप में बैठे हैं, लेकिन अबतक इंटरव्यू की बारी नहीं आई है. यहां कई लोग अपने बच्चों को लेकर आए हैं. सभी इधर-उधर बैठे हैं. इतनी भीड़ में नौकरी की उम्मीद कम हो गई है.

जिले के 5 ग्राम पंचायतों में उप निर्वाचन के लिए मतदान 28 जून को

गौरेला पेंड्रा मरवाही। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदेश के सभी जिलों में त्रिस्तरीय पंचायतों के उप निर्वाचन 2022 के लिए 31 मई को कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। आदेश के परिपालन में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने निर्वाचन कार्यक्रम जारी किए जाने के साथ ही संबंधित पंचायत क्षेत्रों में आदर्श आचरण संहिता लागू होने का आदेश जारी कर दिया है। जिले में पांच ग्राम पंचायतों में उप निर्वाचन होना है। इनमें विकासखंड गौरेला के ग्राम पंचायत गोरखपुर, विकासखंड पेण्ड्रा के ग्राम पंचायत बंधी, जाटादेवरी एवं जमड़ीखुर्द और विकासखंड मरवाही के ग्राम पंचायत साल्हेकोटा शामिल है। कलेक्टर एवं जिला दंण्डाधिकारी ने इन ग्राम पंचायत क्षेत्रों में दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा-144 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए प्रतिबन्धात्मक निषेधाज्ञा जारी कर दिया है। इसके तहत निर्वाचन होने वाले ग्रामीण क्षेत्रों की सीमा क्षेत्र के अंदर कोई भी व्यक्ति किसी भी प्रकार के घातक अस्त्र-शस्त्र यथा बन्दूक, राईफल, भाला, बल्लम, बरछा, लाठी एवं अन्य प्रकार के घातक हथियार तथा विस्फोटक सामग्री लेकर किसी भी सार्वजनिक स्थान, आम सड़क, रास्ता, सार्वजनिक सभाओं एवं अन्य स्थानों पर नहीं चलेगा। कोई भी राजनैतिक दल या अभ्यर्थी सशस्त्र जुलूस नहीं निकालेगा और न ही आपत्तिजनक पोस्टर वितरित करेगा। यह आदेश उन शासकीय अधिकारियों-कर्मचारियों पर लागू नहीं होगा, जिन्हें अपने कार्य के सम्पादन के लिए लाठी या शस्त्र रखना आवश्यक है। यह आदेश उन शासकीय कर्मचारियों पर भी लागू नहीं होगा, जिन्हें चुनाव व मतदान के दौरान कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिये पुलिस अधिकारी नियुक्त किया गया है। यह आदेश उन व्यक्तियों पर भी लागू नहीं होगा, जिन्हें शारीरिक दुर्बलता, वृद्धावस्था तथा लंगड़ापन होने के कारण सहारे के रूप में लाठी रखना आवश्यक होता है।

रायगढ़ के एनसीसी कैडेट्स ने किया इंदिरा गांधी कृषि महाविद्यालय का भ्रमण, छात्र बोले-

पौधों को संरक्षित एवं सुरक्षित करके रखेंगे तथा पर्यावरण के विकास में अपना अमूल्य योगदान देंगे

जिले के अग्रणी महाविद्यालय किरोड़ीमल शासकीय एवं कला विज्ञान महाविद्यालय रायगढ़ के एनसीसी कैडेट्स द्वारा इंदिरा गांधी कृषि महाविद्यालय का भ्रमण किया गया

रायगढ़ । जिले के अग्रणी महाविद्यालय किरोड़ीमल शासकीय एवं कला विज्ञान महाविद्यालय रायगढ़ के जोशीले एनसीसी कैडेट्स द्वारा इंदिरा गांधी कृषि महाविद्यालय का भ्रमण किया गया । ये कार्यक्रम महात्मा गांधी नेशनल काउंसिल ऑफ रूरल एजुकेशन द्वारा दिए गए निर्देशों एवं प्राप्त मार्गदर्शन में किया गया।जिसमें डॉक्टर डीएन बंजारे द्वारा पर्यावरण को संरक्षित एवं सुरक्षित रखने के लिए विस्तृत रूप से चर्चा की गई। उन्होंने बताया की किस प्रकार से आप इंडोर और आउटडोर प्लांट्स को ज्यादा लंबे समय तक संरक्षित एवं सुरक्षित रख सकते हैं तथा यह बताया कि किस तरीके से भी पर्यावरण के लिए ये उपयोगी होते हैं साथ-साथ घर की शोभा भी बढ़ाते हैंउन्होंने इंटीग्रेटेड फार्मिंग के बारे में भी विद्यार्थियों से चर्चा की और महत्वपूर्ण पौधों की खेती किस प्रकार से करनी चाहिए उसके बारे में उन्होंने एनसीसी कैडेट्स को विस्तार से बताया साथ ही अपने महाविद्यालय एवं नर्सरी का भ्रमण करवाया और पेड़ों की विभिन्न किस्म एवं प्रजातियों के बारे में जानकारी प्रदान की। साथ ही उन्होने एनसीसी कैडेट्स को बताया की किस प्रकार से आप महाविद्यालय में नर्सरी विकसित कर सकते हो और बताया कि किस तरीके से महाविद्यालय को डेकोरेट करने के लिए इंडोर प्लांट का उपयोग एवंमेंटेनेंस कर सकते हो इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के प्रोफेसर्स के द्वारा महाविद्यालय के सभी छात्रों को पौधे उपहार स्वरूप दिए गए तथा उन्हें प्रेरित किया गया की वे इन पौधों को संरक्षित एवं सुरक्षित करके रखेंगे तथा पर्यावरण के विकास में अपना अमूल्य योगदान देंगे।

इस कार्यक्रम का निर्देशन लेफ्टिनेंट तथा डिस्ट्रिक्ट सस्टेनेबिलिटी मेंटर डॉक्टर शारदा घोघरे द्वारा किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर अंजनी तिवारी द्वारा इस तरह की पहल की प्रशंसा की गई और कहा गया कि पर्यावरण को संरक्षित एवं सुरक्षित रखने के लिए सदैव युवा पीढ़ी को तत्पर रहकर कार्य करना चाहिए।

स्टील प्लांट हादसा में एक की मौत, एक गम्भीर

दुर्ग। दुर्ग जिले के भिलाई स्टील प्लांट में बड़ा हादसा होने की जानकारी सामने आ रही है।जिसमें बताया जा रहा है कि हादसे में एक कर्मचारी की मौत हो गई। जबकि दूसरा कर्मचारी बुरी तरह झुलस गया है। यह हादसा फर्नेस-7 में हुआ है। इसमें दो ठेका मजदूर चपेट में आने की बात सामने आयी है। एक मजदूर बुरी तरह से झुलस गया है। घायल को मेन मेडिकल पोस्ट में भर्ती कराया गया है, जहां उपचार चल रहा है।

खबर है कि एक और मजदूर फर्नेस के अंदर ही फंसा हुआ है। इसे बाहर निकालने की कोशिश की जा रही है। बताया जा रहा है कि फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस को मौके पर बुला लिया गया है। अधिकारियों की टीम भी रेस्क्यू में जुटी है। हादसे की वजह से हड़कंप मचा हुआ है। बताया जा रहा है कि प्रगति कंस्ट्रक्शन का ठेका मजदूर वेल्डिंग कर रहा था, तभी हादसा हुआ है। शिवाजीनगर 25 वर्षी ठेका मजदूर परमेश्वर को मेन मेडिकल पोस्ट में प्राथमिक उपचार के बाद सेक्टर-9 अस्पताल में रेफर कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि ब्लास्ट फर्नेस-7 के चेंबर में यानी 15 फीट नीचे चेंबर में वेल्डिंग का काम परमेश्वर सिक्का और राहुल उपाध्याय कर रहे थे। अचानक से आग लगने की वजह से परमेश्वर सेफ्टी बेल्ट खोलकर बाहर आ गया। तब तक झुलस चुका था। वहीं, राहुल उपाध्याय सेफ्टी बेल्ट पहीं खोल सका। जिसकी वजह अंदर ही फंसा हुआ था। बताया जा रहा है कि राहुल की मौत हो गयी है।

छत्तीसगढ़ी परंपरा और संस्कृति को फिर से स्थापित कर रही राज्य सरकार

छायाचित्र प्रदर्शनी देखने आए जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने एक स्वर में राज्य सरकार के कामों को सराहा

रायपुर। रायपुर के साइंस कॉलेज परिसर स्थित डीडीयू आडिटोरियम में विकासपरक राज्यस्तरीय छायाचित्र प्रदर्शनी का आज राजनांदगांव जिले के पंचायत प्रतिनिधियों, स्वच्छता दीदियों, युवा मितान और ग्रामीणों ने अवलोकन किया। उन्होंने राज्य सरकार के कामों की एक स्वर में सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार छत्तीसगढ़ी परम्परा और संस्कृति को फिर से स्थापित कर रही है। डोंगरगढ़ ब्लॉक के मुसरा, मुरमुंदा, बोड़ताल और ढरा से आए स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने प्रदर्शनी में जनहितैषी योजनाओं एवं कार्यक्रमों से लोगों के जीवन में आए बदलावों को देखा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्वाभिमान की एक नई लहर चली है। अपनी

परंपराओं और संस्कृति को नई पीढ़ी से जोड़ा जा रहा है। विकास कार्यों की उपलब्धियों का अवलोकन कर उन्होंने कहा कि जीवन स्तर को ऊंचा उठाने की दिशा में किया जा रहा प्रयास विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

ग्रामीणों ने एक स्वर में राज्य सरकार के कामों को सराहा: राजनांदगांव, खैरागढ़, डोंगरगढ़ जनपद से राजधानी आए विभिन्न ग्राम पंचायतों के प्रतिनिधियों ने कहा कि मुख्यमंत्री वृक्षारोपण प्रोत्साहन योजना, सुराजी गांव योजना, गोधन न्याय योजना जैसी कई योजनाएं प्रकृति की रक्षा के साथ किसानों की आय बढ़ाने में कारगर साबित हो रही हैं। गैर वनीय क्षेत्र में निजी क्षेत्र की भागीदारी से वृक्षारोपण करने से हरियाली के साथ शुद्ध पर्यावरण मिलेगा, इससे ग्रामीणों की आर्थिक मदद भी हो सकेगी। उन्होंने कहा कि राजीव युवा मितान क्लब के माध्यम से गांव के युवा रचनात्मक गतिविधियों से जुड़ रहे हैं।

फेंसिंग पोल निर्माण से मल्टीएक्टिविटी सेंटर चेरवापारा की महिलाएं बनी लखपति

रायपुर। कोरिया जिले के ग्राम पंचायत चेरवापारा स्थित मल्टीएक्टिविटी सेंटर में फेंसिंग पोल निर्माण कर महिलाएं लखपति बन रही हैं। दरअसल बात है कि राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना नरवा, गरवा, घुरवा और बाड़ी-गौठान (मल्टीएक्टिविटी सेंटरों) के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को मल्टीएक्टिविटी गतिविधियों से जोड़ा जा रहा है। इसी कड़ी में चेरवापारा के मां अम्बे स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने फेंसिंग निर्माण से 9 लाख रूपए शुद्ध मुनाफा कमाकर लखपति बन गई हैं। मल्टिएक्टिविटी गतिविधियों के माध्यम से अतिरिक्त आमदनी प्राप्त कर पूरे प्रदेश की महिलाएं आत्मनिर्भरता की दिशा में एक नए आयाम स्थापित कर रही हैं।

गौरतलब है कि गौठान में स्व-सहायता समूह की महिलाएं वर्मी कम्पोस्ट निर्माण के साथ ही मल्टीएक्टिविटी सेंटरों में खाद्य प्रसंस्करण, पोल निर्माण, पेवर ब्लाक निर्माण, ट्री गार्ड निर्माण, किचन गार्डन, टॉयलेटरिज, सैनिटरी नैपकिन, साबुन, डिटर्जेंट निर्माण, सामुदायिक बाड़ी जैसी गतिविधियों से लाखों की आय अर्जित कर रही हैं।

मां अम्बे समूह की महिलाओं ने बताया कि वे चेरवापारा मल्टीएक्टिविटी सेंटर में समूह की पांच महिलाएं फेंसिंग पोल बनाने का काम करती हैं। बीते दो सालों में 8 हज़ार से भी ज्यादा फेंसिंग पोल का निर्माण किया है और कुशल व्यवसायी की तरह उनका विक्रय भी कर रही हैं। समूह की सदस्य श्रीमती विमला राजवाड़े बताती हैं, अब तक 8 हज़ार 880 फेंसिंग पोल का बिक्री कर चुके हैं। इससे समूह को 26 लाख 25 हजार रुपये की आय हुई। इसमें समूह को 9 लाख रुपये का शुद्ध मूनाफा हुआ है। प्रत्येक महिलाओं को डेढ़ लाख रुपये की आमदनी हुई है। विमला बताती हैं कि आजीविका संवर्धन के लिए संचालित इन गतिविधियों से उन्हें जो राशि मिली, वह उनके बूरे वक्त में काम आयी। पति के देहांत के बाद उनके परिवार की आजीविका के साथ-साथ तबियत खराब होने और बेटे की शादी में भी यह रकम काम आयी। विमला ने बताया कि उनका समूह तीन साल से फेंसिंग पोल निर्माण कार्य कर रही हैं। समूह में उनके साथ राजकुमारी, फुलेश्वरी, किस्मत बाई और लीलावती शमिल हैं। कोरोना काल में काम थोड़ा धीमा रहा। कोरोना में आयी कमी के बाद काम में तेजी लाते हुए पोल बनाना शुरू किया। 1 दिन में महिलाएं लगभग 60 पोल बना लेती हैं।

द मौर्य टाइम्स पत्रिका का हुआ विमोचनः डॉ रामप्यारा पारकर स्मृति सम्मान से सम्मानित हुईं डॉ दुलारी चंद्राकर

भिलाई । लोक कला एवं साहित्यिक संस्था सिरजन जिला इकाई दुर्ग द्वारा रामप्यारा पारकर स्मृति सम्मान समारोह का आयोजन निर्मल ज्ञान मंदिर, कबीर आश्रम , नेहरू नगर भिलाई में किया गया।मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ स्टेट वेयर हाउसिंग कार्पोरेशन के अध्यक्ष अरूण बोरा सहित साहित्यकार महेश चंद्र शर्मा,डी पी देशमुख, डाक्टर मणिक विश्व कर्मा, खिलावन प़साद साहू, बलदाऊराम साहू, सिरजन के प्रांतीय अध्यक्ष डाक्टर दिनदयाल साहू,ब्रह्मदेव पटेल एवं साहित्य सृजन परिषद , भिलाई के अध्यक्ष एन एल मौर्यप़ीतमउपस्थित थे। कार्यक्रम में श्री बोरा ने साहित्यकार रामप्यारा के साहित्यिक योगदान को सराहा। उनकी स्मृति बनाए रखने के लिए रामप्यारा पारकर स्मृति सम्मान साहित्यकार डॉ दुलारी चन्द्राकार को दिया गया। अतिथियों ने साहित्यकार रामप्यारा

पारकर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को रेखांकित करते हुए कहा कि वे बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। उन्होंने साहित्य के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। इस अवसर पर डॉ राधवेन्द्र राज के काव्य संग्रह मया के छानीऔर द मौर्य टाइम्स पत्रिका का विमोचन भी किया गया।

द मौर्य टाइम्सपर प़काश डालते हुए एन एल मौर्यप़ीतम ने कहा कियह प़त्रिका समाट चन्द्रगुप्त मौर्य की राजधानी पाटलिपुत्र (पटना) से चल कर आज इस छत्तीसगढ़ की पावन धरा पर अवतरित हुई है। छत्तीसगढ़ में सात लाख से अधिक निवासरत कुशवाहा, मौर्य, शाक्य, सैनी,कछवाहा, काछी, दांगी समाज के उत्थान के लिए उत्कृष्ट प़त्रिका है निश्चय ही इससे समाज को बहुत लाभ होगा।

एल एन मौर्य ने इस पत्रिका को पत्रिका के संपादक डॉ आलोक कुशवाहा के अथक परिश्रम का फल करार दिया । संपादक को तहेदिल से धन्यवाद देते हुए एल एन मौर्य ने यह आशा व्यक्त की कि इस पत्रिका को पढ़कर समाज निरंतर आगे बढ़ेगा । इस गौरवपूर्ण कार्यक्रम में गौरव मानिकपुर, डाक्टर ईश्वर ,तारक मीना निषाद,वदीप़साद केवर्त, नीलकंठ देवांगन, ओमप्रकाश जायसवाल आदि साहित्यकारो से सभागार खचाखच भरा हुआ था । कार्यक्रम का संचालन संस्था की सचिव सीमा साहू व आभार प्रदर्शन संस्था के अध्यक्ष लालजी साहू ने किया।

जोगी कांग्रेस के राज्यसभा प्रत्याशी का नामांकन निरस्त

रायपुर। छत्तीसगढ़ में राज्यसभा की दो सीटों के लिए अब निर्विरोध निर्वाचन होगा। निर्वाचन अधिकारी ने बुधवार को स्क्रूटनी में जोगी कांग्रेस के उम्मीदवार डॉ. हरिदास भारद्वाज का नामांकन निरस्त कर दिया। इस तरह अब मैदान में राजीव शुक्ला और रंजीत रंजन ही हैं। दोनों निर्विरोध राज्यसभा चुने जाएंगे। हालांकि, अधिकृत घोषणा नामांकन वापसी का समय गुजर जाने के बाद की जाएगी। राज्यसभा के लिए 10 प्रतिशत प्रस्तावक और समर्थक अनिवार्य हैं। जोगी कांग्रेस की ओर से धर्मजीत सिंह, डॉ. रेणु जोगी और प्रमोद शर्मा ने नामांकन जमा किया था। विधानसभा में कुल 90 सीटें हैं। इस लिहाज से 9 प्रस्तावक समर्थक होने चाहिए। इस शर्त को पूरा नहीं करने के कारण स्क्रूटनी में नामांकन निरस्त कर दिया गया।

संपादकीय

गेहूं पर गलती

निजी क्षेत्र की ओर से गेहूं के निर्यात पर रोक लगाने के भारत सरकार के फैसले ने राष्ट्रीय ही नहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अनिश्चितता और बेचैनी उत्पन्न कर दी है। गुजरात के कांडला पोर्ट ट्रस्ट पर पांच हजार ट्रकों की लाइन लगी हुई है। सरकार ने निर्यात पर रोक के अपने फैसले में इतनी छूट जरूर दी है कि 13 मई तक जो कन्साइनमेंट इन्स्पेक्शन के लिए पेश किए जा चुके थे या कस्टम डिपार्टमेंट में रजिस्टर किए जा चुके थे, उन्हें इस फैसले से बाहर रखा जाएगा। इससे आधे भरे जा चुके जहाजों को जरूर राहत मिली है, लेकिन बाहर खड़ी ट्रकों का मामला नहीं सुलझने वाला क्योंकि इनमें से ज्यादातर सरकार द्वारा दी गई छूट के दायरे में नहीं आते। पोर्ट ट्रस्ट पर गेहूं के बढ़ते स्टॉक की वजह से न केवल पोर्ट के गोदाम बल्कि प्राइवेट गोदाम भी भरते जा रहे हैं। इनका किराया 200 फीसदी तक बढ़ गया है, जिससे अन्य वस्तुओं के निर्यात पर बुरा असर पड़ेगा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सरकार के इस फैसले का असर दिखने लगा है। यूक्रेन युद्ध के चलते गेहूं सप्लाई की पहले से बिगड़ी स्थिति के कारण फैसला आते ही गेहूं की कीमतें बढ़ने की खबर आने लगी। अमेरिका और जर्मनी जैसे देश भारत सरकार से फैसले पर पुनर्विचार की अपील भी कर रहे हैं। इसकी वजह यह है कि भारत के फैसले से वैश्विक स्तर पर गेहूं की उपलब्धता पर असर पड़ सकता है, जो दुनिया में इस अनाज का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। बहरहाल, सरकार के फैसले के पीछे मूल चिंता घरेलू बाजार में गेहूं की बढ़ती कीमतों को लेकर है। इस चिंता को गलत नहीं कहा जा सकता, लेकिन इसके लिए अपनाए गए उपाय पर जरूर सवाल खड़े होते हैं। गेहूं के दाम में हो रही बढ़ोतरी के पीछे यह अनुमान है कि रबी की उपज कम होगी। इसीलिए निर्यात पर रोक का फैसला बाजार की चाल पर निर्णायक असर नहीं डाल पाया। फैसले के एक दिन पहले यानी 12 मई को देश में गेहूं का औसत थोक मूल्य 2591 रुपये प्रति क्विंटल था, जो दो दिन बाद गिरकर 2483 रुपये प्रति क्विंटल हुआ। लेकिन अगले दो दिन में फिर उठकर 2583 रुपये प्रति क्विंटल पर आ गया। दूसरी बात यह कि निर्यात पर रोक का फैसला किसानों के लिए भी नुकसानदेह है। इसके बजाय सरकार गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2015 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ा देती तो न केवल किसानों का फायदा होता बल्कि सरकार के भंडार भी भरे होते और वह घरेलू बाजार में कीमतों को प्रभावित करने के लिहाज से मजबूत स्थिति में होती। निर्यात पर रोक ने न केवल मित्र देशों को शिकायत का मौका दिया है बल्कि किसानों में भी बेचैनी पैदा कर दी है। इस पर फिर से विचार होना चाहिए।

महिलाओं के खिलाफ सामाजिक अपराध- कारण और समाधान

(डॉ. सुधा कुमारी)

जहां तक महिलाओं के खिलाफ अपराध का सवाल है, यह केवल कुछ लोगों द्वारा की गई हिंसा का कार्य नहीं है बल्कि 3000 साल पुराने अराजकवादी सामंती मानसिकता की उपज है और आधुनिक उपभोक्तावादी संस्कृति से फल-फूल रही है।चाहे युद्ध हो या शांति, चाहे पुरुतैनी बदला हो या प्रेम-प्रसंग- 3000 साल पुराने अराजकवादी समाज में प्रचलित ऐसे अपराध हर जगह, हर वक्त अंजाम दिए जाते हैं। महिलाओं के खिलाफ अपराध एक जटिल मुद्दा है- इसके कारण भिन्न होते हैं- पागलपन से लेकर हताशा तक या फिर महिला पर नियंत्रण रखने के लिए। महिलाओं के खिलाफ नाबालिग से लेकर बड़े लोगों द्वारा अपराध और हिंसा के कई रूप और जड़ें हैं।

सामाजिक अपराध एक गहरी जड़ वाली बीमारी की अभिव्यक्ति है जिसे अहंकार कहा जाता है। अहंकार के कई कारण हो सकते हैं। छेड़खानी जैसे अपराध करनेवाले अपराधियों को गोपियों को छेड़ने और यमुना नदी में उनके कपड़े चुराने वाली कहानियों से दैवी प्रेरणा और बहुत ताकत मिलती है, किसी लड़की को परेशान करना, पीछा करना और लुभाना- पितृसत्ता का सामान्य और जन्मसिद्ध अधिकार माना जाता है। यदि यह अधिकार लड़की द्वारा पूरा नहीं किया जाता है, तो उसे निराश व्यक्तियों द्वारा नुकसान पहुंचाया जा सकता है। किसी महिला का अपहरण, चीरहरण या उसकी 'अग्नि-परीक्षा' दंडनीय अपराध हैं, लेकिन कई टेलीविजन धारावाहिक सैंकड़ों साल पुराने उसी दुर्भाग्यपूर्ण चित्रण को कई दिनों तक बड़े विस्तार से धीमी गति में दिखाते हैं जैसे कि यह भी भारतीय संस्कृति का ही हिस्सा हो और इन अपराधों को सामाजिक स्वीकृति मिली हो। पुराने और नए सिनेमा भी महिला के खिलाफ अपराध की घटनाओं से भरे होते हैं- नायक की अच्छाई दिखाने के लिए खलनायक द्वारा नायिका के साथ जघन्य अपराध बड़ी दिलेरी और उत्साह से दिखाए जाते हैं।

सामाजिक अपराध का एक दूसरा कारण है- महिलाएं ऊर्जा का एक पावरहाउस हैं और कठिन कार्यों को धैर्य और सहनशक्ति के साथ करती हैं। इसलिए उन्हें गुलाम बनाने के लिए या अधीनस्थ बनाकर रखने के लिए नैतिकता की पौराणिक कहानियां महिलाओं के इर्द-गिर्द बुनी जाती हैं जिन्हें चतुराई से समाज में फैलाया जाता है और उन्हें अपने विरुद्ध हर अपराध और शोषण को सहन करने का प्रशिक्षण दिया जाता है। महिलाओं के खिलाफ अपराध के उदाहरणों का उद्देश्य उसकी आत्मा को कमजोर करना और मनोबल को गिराना है ताकि वह घर और बाहर- हर जगह एक अधीनस्थ के रूप में काम करती रहे। महिलाओं के खिलाफ हिंसा आम तौर पर महिलाओं को अधीनस्थ स्थिति में रखने के लिए सामाजिक नियंत्रण का एक उपकरण है। हमें कुछ ऐसा करने की ज़रूरत है जो हिंसा के शिकार लोगों को हिंसा के बाद भी सबल बनने में मदद करे।

सामाजिक अपराध का तीसरा कारण है- कार्यस्थल में पुरुष के साथ प्रतिस्पर्धा को कम करना और उन्हें रोजगार से दूर रखना। सामाजिक अपराध पहले कामकाजी महिलाओं को डराता है और फिर उन्हें कार्यस्थल से दूर हटाकर उनके घर में वापस ले जाता है। उन्हें रोजगार से दूर रखना ही इसका उद्देश्य है। किन्तु राज्य, देश और विश्व के सम्पूर्ण आर्थिक विकास के लिए हमें पुरुष और महिला- दोनों की शक्ति का उपयोग करना आवश्यक है। समाज की गाड़ी ठीक से चलने के लिए सभी पहिये मजबूत और सक्षम होने चाहिए। एक बार जब हम अच्छी तरह से समझ जाते हैं कि आर्थिक विकास के लिए हम सभी की आवश्यकता है और विकास की यात्रा में हम आधे यात्रियों (महिलाओं) को छोड़ने का जोखिम नहीं उठा सकते, तो सामाजिक अपराधों की समस्या आधी हल हो जाएगी।

अपराध का एक अन्य कारण वैश्वीकृत दुनिया में नारी का व्यावसायीकरण है। सामंती मानसिकता महिलाओं से हर प्रकार के गुणों की अपेक्षा करती है मगर उनके गुणों की उपेक्षा भी करती है। कला, खेल, साहित्य, विज्ञापनों में सौंदर्य प्रसाधन और मनोरंजन मीडिया- हर जगह उसकी शारीरिकता का जश्न मनाया जाता है, उसे बेचा जाता है। उसकी बुद्धि या आंतरिक गुणों का कहीं भी उल्लेख नहीं किया जाता है। किसी भी उम्र, स्टेज या कंडीशन में उन्हें ग्लैमरस दिखना ही चाहिए। उसे हर जगह 'वस्तु' के रूप में वर्णन किया जाता है। यहाँ तक कि पुण्य या सबाब करने पर स्वर्ग में या बहिश्त में परी या हूर मिलने का लालच भी दिया जाता है। कुछ विदेशी एयरलाइंस जैसे सिंगापुर एयरलाइंस में दिसंबर के ठंडे तापमान में भी परिचारिकाओं के शरीर पर ऊनी कपड़े नहीं थे जबकि पुरुष परिचारकों ने ऊनी सूट पहन रखे थे।

ऐसे अपराधों को रोकने के लिए महिलाओं को आत्म-विश्वास, आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा और आत्मरक्षा का प्रशिक्षण देना आवश्यक है। उन्हें आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा देने के लिए आवश्यक है कि उनके अपने घरों से आर्थिक अधिकार प्राप्त हों। साथ ही, उन्हें अपने माता-पिता का भी ख्याल रखना है। इससे उसे स्वतः ही मान-सम्मान मिलेगा। गरीब, कमजोर और अशिक्षित महिलाओं को सम्मान और अधिकारों की मांग करनी पड़ती है जो अक्सर नहीं मिलती हैं। इसलिए उसे आर्थिक स्वतंत्रता और समृद्धि प्राप्त करनी चाहिए। यह पूरे परिवार और समाज के लिए अच्छा है, जरूरी है।

समाज में एक विरोधाभास देखने को मिलता है- सुन्दर, युवा और आकर्षक महिलाओं के खिलाफ अपराधों के बावजूद, आधुनिक उपभोक्तावादी संस्कृति में मनोरंजन उद्योग, विमानन, होटल उद्योग, फैशन और मॉडलिंग, खेल जगत, कला और शिल्प- सभी उसे मात्र सुंदरता की वस्तु के रूप में दिखाते हैं। मगर कार्यस्थल पर आधुनिक कपड़े पहनने का अक्सर गलत अर्थ निकाला जाता है और यह कभी-कभी अपराध को भी उत्साहित करता है। नौ गज की साड़ी, कड़े नैतिक मूल्यों और अनुशासन के लिए जाना जाने वाला देश भी कोणार्क, खजुराहो औरकई संग्रहालयों में, ऐसी कलात्मक मूर्तियों से भरा पड़ा हैजो कपड़ों से आजादी का जश्न मनाते हैं। ऐसे समाज में एक युवा दिमाग के लिए यह अंतर करना मुश्किल है कि क्या सही है और क्या गलत। इस तरह की बाहरी उत्तेजना उसके मन में संघर्ष का कारण बनती है जिसके परिणामस्वरूप कई सामाजिक अपराध होते हैं। अत:, सार्वजनिक स्थानों पर इस तरह के चित्रण को बंद किया जाना चाहिए। यदि छोटे-मोटे अपराधों को समाज द्वारा रोका और अस्वीकृत किया जाता है, तो बड़े अपराध भी समाप्त हो जाएंगे। युवा जोड़ों को लाठी दिखाने से तब तक मदद नहीं मिलेगी जब तक हम सामाजिक अपराध के मूल कारण पर प्रहार नहीं करते। युवतियों को अनुशासन सिखाने से पहले बाजार में, सार्वजनिक कार्यक्रमों और मीडिया में दिखाए गए नारी-चित्रण पर अनुशासन लागू किया जाना चाहिए। मनोरंजन उद्योग, बाज़ार और मीडिया को अच्छा उदाहरण पेश कर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए आगे आना चाहिए।

समाज में हानिकारक प्रथाओं को रोकने के लिए हमें सांस्कृतिक और खेल नीतियों की आवश्यकता है। मीडिया, गैर सरकारी संगठनों और स्वयं सहायता समूहों को इस खतरे को रोकने में मदद करने की जरूरत है। बड़ी हिंसा की शिकार महिला की डॉक्टरों और नर्सों द्वारा जांच की जानी चाहिए और अपराध का सत्यापन किया जाना चाहिए न कि पीड़ित के इतिहास का। अपराधी को शर्म आनी चाहिए, पीड़ित को नहीं। इन दिनों अपराधियों का चेहरा पूरी तरह ढका हुआ होता है मगर पीड़ित का चेहरा कभी धुंधला तो कभी पूरा दिख रहा होता है। बड़े-बड़े अपराधी के चेहरे परदे के साथ-साथ पुलिस सुरक्षा से भी ढके रहते हैं और मामला खत्म होने के बाद सबसे क्रूर और जघन्य अपराधी को भी नाबालिग कहकर एक सुदूर इलाके में सुरक्षित छिपा दिया जाता है। हमलावर को सुरक्षा मिलने से ही अपराध को बढ़ावा मिलता है। यह आवश्यक है कि हमलावर को कड़ी सजा मिले और लड़कियों के व्यक्तित्व का सम्मान करने और विनम्र व्यवहार करने के लिए बच्चों को माता-पिता, शिक्षकों और संस्थाओं द्वारा शिक्षित और प्रशिक्षित किया जाए।

सुरक्षा व्यवस्था

इसके अलावा, सड़क पर, बाजार परिसरों में, शैक्षणिक संस्थानों और कार्यालय के प्रवेश बिंदुओं के पास सतर्कता से सुरक्षा व्यवस्था की जानी चाहिए। शैक्षिक और संगठनात्मक प्रबंधन भी महिला छात्रों और कामकाजी महिलाओं के लिए पर्याप्त सुरक्षा उपाय प्रदान करने के लिए जिम्मेदार हैं। लड़कियों के स्कूलों और कॉलेजों में आत्मरक्षा के लिए शारीरिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का हिस्सा होना चाहिए। साथ ही, माता-पिता और शिक्षकों को सतर्क रहना और बच्चों के मन में विश्वास पैदा करना चाहिए क्योंकि एक सतर्क प्रशासन को भी एक सतर्क जनता की जरूरत होती है।

पितृसत्तात्मक समाज के विभिन्न हमलों के बीच, सबसे साधारण हमला महिलाओं के खिलाफ हिंसा है। यह घर की चार दीवारी के भीतर या घर के बाहर घरेलू हिंसा के रूप में हो सकता है। संयोग से, घरेलू हिंसा में वैवाहिक संबंधों में हिंसा सबसे प्रमुख है। कानून ने इस अपराध का संज्ञान महिलाओं का घरेलू हिंसा संरक्षण अधिनियम, 2005 के रूप में लिया है। अधिनियम घरेलू हिंसा की परिभाषा स्पष्ट रूप से करता है- दहेज या कीमती सामान की गैरकानूनी मांग को पूरा करने के लिए पहुँचाना। इसमें महिलाओं का शारीरिक, मौखिक या भावनात्मक शोषण और पीड़ित द्वारा उपयोग किए जा रहे आर्थिक संसाधनों का निषेध, अभाव या अलगाव भी शामिल है। इसमें रिश्तेदारों के साथ एक निवास पर रहने वाली सभी उम्र की विवाहित या अविवाहित महिलाएं शामिल हैं।

घरेलू हिंसा अधिनियम, 2005 के प्रावधान

इस कानून के माध्यम से सरकार के अधिकारियों, न्यायपालिका और सेवा प्रदाताओं के व्यापक नेटवर्क के बीच समन्वय की कल्पना की जाती है। राज्य सरकार पीड़ितों से हिंसा की रिपोर्ट प्राप्त करने के लिए बीडीओ /सीओ /जिला कार्यक्रम अधिकारियों /गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों को संरक्षण अधिकारी के रूप में नियुक्त करता है जो मजिस्ट्रेट को इसकी रिपोर्ट करता है, अदालती कार्यवाही में मजिस्ट्रेट की सहायता करता है, कानूनी सहायता, परामर्श और आश्रय गृह प्रदान करता है। संरक्षण अधिकारी इस उद्देश्य के लिए पीड़ित को विभिन्न सेवा प्रदाताओं के माध्यम से कानूनी सहायता, परामर्श प्रदान करता है और आश्रय गृहों का प्रबंधन करता है। संरक्षण अधिकारी सी.आर.पी.सी. के तहत चिकित्सा सहायता, मौद्रिक राहत आदेश सुनिश्चित करने के लिए भी जिम्मेदार है। सरकार को इस नाजुक मुद्दे पर अधिकारी और न्यायपालिका को संवेदनशील और विभिन्न सेवा प्रदाताओं के बीच समन्वय बनाना होगा। इसके लिए केंद्र और राज्य सरकारों को इस अधिनियम का प्रचार करना होगा।।

घरेलू हिंसा से राहत प्राप्त करने की प्रक्रिया

राहत आदेश मजिस्ट्रेट को आवेदन करने, नोटिस की तामील, पीड़ित महिलाओं की काउंसलिंग और कल्याण विशेषज्ञ की सहायता के बाद प्राप्त किया जाता है। राहत के आदेश मामले के तथ्यों के आधार पर सुरक्षा आदेश, निवास आदेश, मौद्रिक राहत, अभियुक्त के हिरासत आदेश और मुआवजे के आदेश के रूप में होते हैं। यह प्रावधान कानूनी सहायता के माध्यम से अदालत में अधिनियमित किया जाता है और राहत आदेश आवेदन के अनुसार बदलता रहता है। यदि अदालत के आदेश को लागू नहीं किया जाता है, तो पुलिस को आदेश के निष्पादन के लिए सूचित किया जाना चाहिए और आरोपी को गिरफ्तार भी किया जा सकता है।

गैर सरकारी संगठनों की भूमिका

कानूनी सहायता परामर्श और आश्रय गृह के रूप में सेवाएं प्रदान करने वाली विभिन्न एजेंसियां महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। यहीं पर गैर सरकारी संगठन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सोसायटी एक्ट, ट्रस्ट के तहत पंजीकृत सैकड़ों संगठन या गैर-सरकारी कंपनियां (एन.जी.ओ.) पूरे भारत में महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों के बारे में शिक्षित करने, उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और साक्षर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इन संगठनों को निजी पार्टियों से स्वैच्छिक दान मिलता है और केंद्र और राज्य सरकारों से सहायता या अनुदान द्वारा वित्त देकर पोषित किया जाता है। राष्ट्रीय महिला कोष, केंद्रीय समाज कल्याण बोर्ड; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार; महिला एवं बाल विकास विभाग, भारत सरकार- ये सभी राष्ट्रीय स्तर पर महिला एवं बाल कल्याण की दिशा में कार्य कर रही है। नाबार्ड भी महिलाओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों में मदद करता है। इन गैर सरकारी संगठनों को महिला कल्याण के लिए विभिन्न आर्थिक विकास परियोजनाओं के लिए एक्शन एड, यूके; आई.सी.सी.ओ., नीदरलैंड; फोर्ड फाउंडेशन, यू.एस.ए.; यूनिसेफ और विश्व बैंक जैसी अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों से भी सहायता मिलती है। जरूरी है कि राज्य सरकारें भी गैर-सरकारी संगठनों को सहायता प्रदान करें।

महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के लिए गैर सरकारी संगठन उनके कानूनी अधिकारों के बारे में शिक्षित और जागरूक करके काम कर सकते हैं, महिलाओं के व्यावसायिक कौशल और क्षमता निर्माण में सुधार कर सकते हैं और वंचित और हाशिए पर रहनेवाली महिलाओं को मुख्यधारा में ला सकते हैं। राष्ट्र के लिए जागरूक और सक्षम महिलाओं के रूप में स्थायी आधार बनाने की आकांक्षा से ऐसी शिक्षा की आवश्यकता उत्पन्न होती है। ये गैर सरकारी संगठन बालिकाओं पर विशेष ध्यान देने के साथ बच्चों को शिक्षा प्रदान कर सकते हैं, निर्णय लेने की प्रक्रिया में महिलाओं को शामिल कर सकते हैं और उन्हें अपने विकास में सक्रिय भागीदारी के लिए सुविधा प्रदान कर सकते हैं। इस प्रकार, गैर सरकारी संगठन एक समतावादी समाज की परिकल्पना करने में मदद कर सकते हैं जिसमें महिलाओं का अपने जीवन पर अधिकार हो। वे वर्तमान पितृसत्तात्मक समाज के नकारात्मक मूल्यों, जैसे- महिलाओं के खिलाफ हिंसा, भौतिकवाद और सैन्यीकरण- को खत्म करने में भी मदद कर सकते हैं। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

एश्ले बार्टी का संन्यास - सायास या तनाव का एहसास

(मनीष कुमार जोशी)

- सुनील गावस्कर ने जब संन्यास लिया था तो कहा था कि खिलाड़ी को तब खेल को अलविदा कह देना चाहिए, जब वह अपने शीर्ष पर हो। उसके संन्यास लेने पर लोग उससे विनती करें कि वह वापस लौटे। यही स्थिति होती है, जब एक खिलाड़ी को खेल से अलग हो जाना चाहिए। यह बयान गावस्कर ने तब दिया था जब क्रिकेट पेशेवर नहीं था। आज क्रिकेटर 40 साल की उम्र तक खेलते हैं।
- गावस्कर ने यह बयान दिया था तो टेनिस पेशेवर था। तब मार्टिना नवरातिलोवा जैसी खिलाड़ी 35 की उम्र के बाद भी ग्रैंड स्लैम जीत रही थीं। जान मैकनरो और इवान लैंडल भी बढ़ती उम्र के साथ सफल हो रहे थे। क्रिस एवर्ट लायड का खेल बढ़ती उम्र के साथ और निखर रहा था। तब कोई भी टेनिस खिलाड़ी अपना रैकिट खूंटी पर टांगने को तैयार नहीं होता था। इसी कारण गावस्कर की बात पेशेवर खेलों पर लागू नहीं होती हैं, परन्तु दुनिया की नंबर एक टेनिस खिलाड़ी आस्ट्रेलियाई एश्ले बार्टी ने संन्यास की घोषणा कर दी। उनकी उम्र 25 साल है।
- एश्ले बार्टी अभी चारों ग्रैंड स्लैम जीत सकती थीं। वे 2019 में फ्रेंच ओपन, 2021 में विम्बलडन और 2022 में आस्ट्रेलियाई ओपन जीत चुकी हैं। वे अपने 11 साल के छोटे से करिअर में 15 एकल और 12 युगल खिताब जीत चुकी हैं। ऐसे में उनकी क्षमता का अंदाजा लगाया जा सकता है। वे अपने देश की दूसरी ऐसी टेनिस खिलाड़ी हैं जो दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी बनीं। बार्टी की सोच अलग प्रकार की है। वे जस्टिन हेनिन जैसी सोच की खिलाड़ी हैं जिन्होंने शीर्ष पर रहते हुए अपने खेल को अलविदा कह दिया। जस्टिन हेनिन ने भी मात्र 25 साल की उम्र में संन्यास ले लिया था।
- बार्टी ने कहा कि उन्होंने टेनिस में वह सब कुछ पा लिया है जो वे पाना चाहती थीं। अब वे अपनी जिंदगी में कुछ नया करना चाहती हैं। एश्ले पहली बार खेल से अलग नहीं हुईं। इससे पहले भी वे 2015 में खेल से अलग हो गई थीं। उन्होंने 2015 में क्रिकेट खेलना शुरू किया था। जल्द ही वे आस्ट्रेलिया की क्रिकेट की सबसे बड़ी लीग बिग बेश की एक टीम के लिए चुनी गईं।
- उन्होंने महिला क्रिकेट खेलते हुए एक शतक भी लगाया। 2016 में जब उनका नाम आस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट के लिए चलने लगा तो वे टेनिस में लौट गईं। उन्होंने पहला डब्लूटीए खिताब जीता। उसके बाद तो खिताबों की झड़ी लगा दी। वे तेज गति की टेनिस खेलती हैं और खेल पर उनकी मजबूत पकड़ है। उन्हें टेनिस जानकार लंबी रेस का घोड़ा मान रहे थे। ऐसे में उन्होंने आगे न खेलने का फैसला सुना दिया।
- बार्टी को लगा कि ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिताएं जीतने और नंबर एक बन जाने के बाद कुछ हासिल करना बाकी नहीं रह जाता है और उनके पास इतना समय है कि वे और भी कुछ कर सकती हैं। परन्तु वे पहली खिलाड़ी नहीं है कि उन्होंने कम उम्र में खेल को अलविदा कहा है। इससे पहले जस्टिन हेनिन व अन्य कई खिलाड़ियों ने भी कम उम्र में सफलता के बाद खेल को अलविदा कहा।
- दरअसल पेशेवर खेल में जहां सफलता चमकती हुई दिखाई देती है, वहीं खिलाड़ी पर दबाव भी रहता है। खिलाड़ी को मानसिक तनाव का भी सामना करना पड़ता है। कई खिलाड़ी तो मानसिक तनाव से निपटने के लिए मोटिवेशन प्रोफेशनल की सेवाएं भी लेते हैं। कोरोना काल में तो टेनिस खिलाड़ियों पर अतिरिक्त दबाव रहने लगा। बार्टी ने 2021 में अपना 90 फीसद समय बायोबबल में गुजारा। वे होटल से सीधे कोर्ट और कोर्ट से सीधे होटल में जाती थीं। इससे घर से दूर रहने और बायोबबल में रहने का तनाव का सामना खिलाड़ी को करना पड़ता था। इस तनाव के बीच उन्होंने आस्ट्रेलियाई ओपन खिताब जीता।
- एक खिलाड़ी जो स्वछंद रहना चाहती हो, उसके लिए तनाव झेलना आसान नहीं है। बार्टी क्रिकेट खेलने के अलावा काफी के लिए क्रेजी हैं। वे पेशेवर रूप से काफी बनाना जानती हैं। वे इसके लिए क्वालिफाइड बारिस्ता बन गई हैं। उन्हें खेल के अलावा इस काम में आनंद मिलता है। यह बात हमें माननी चाहिए कि टेनिस व अन्य खेलों में खिलाड़ी को तनाव का सामना करना पड़ता है। खेल से दूर जाने का सबसे बड़ा कारण खेलों में प्रतिस्पर्धा से पैदा होने वाला तनाव और बंदिशें हैं।
- इस संबध में खेल प्रशासकों को ध्यान देने की जरूरत है। खेल में प्रतिस्पर्धा से पैदा कारणों को भी दूर करने के प्रयास होने चाहिए। खिलाड़ी के लिए खेल हमेशा हंसी खुशी का साधन बने रहना चाहिए। खेल तनाव दूर करने का साधन होना चाहिए। एश्ले बार्टी को तनावमुक्त कार्य चाहिए जिसमें आनंद मिल सके। ऐसा खेल में भी होना चाहिए।

नई शुरुआत का वक्त

2022 में चीन की जीडीपी एक सौ सड़सठ खरब अमेरिकी डालर हो जाएगी और भारत की तीस खरब अमेरिकी डालर।डिजिटल प्रौद्योगिकी इंसान की जिंदगी के हर पहलू पर धावा बोलेगी। डाटा नई दौलत होगा। मशीनी मानव, रोबोट, मशीनें और कृत्रिम मेधा दुनिया पर राज करेंगे और इनसान की भूमिका नए सिरे से परिभाषित होगी। 5जी, इंटरनेट 3.0, ब्लाकचेन, मेटावर्स और अज्ञात आदि नई दुनिया में अपनी जगह बनाते हुए इसे फिर से तय करेंगे।जलवायु परिवर्तन अपने नतीजे दिखाएगा और मानव जाति इनका सामना करने को मजबूर होगी।

(पी. चिदंबरम)

आर्थिक नीति में पहली बार बदलाव की शुरुआत और फिर एक जुलाई 1991 को रुपए के अवमूल्यन को इकतीस साल हो चुके हैं, इसका मुझे विश्वास ही नहीं हो रहा। यह एक ऐसा नाटकीय और जोखिम भरा कदम था, जिसकी व्यापक तौर पर निंदा हुई थी। विपक्ष इस कदर हमलावर था कि पीवी नरसिंहराव इसका अगला कदम उठाने से रुकना चाह रहे थे। डॉ. मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री की 'इसे रोकने' की इच्छा के समर्थन में थे। आरबीआइ के डिप्टी गवर्नर डॉ. सी. रंगराजन 'उपलब्ध' नहीं थे। और अगले अड़तालीस घंटे के भीतर ही एक बार फिर रुपए के और अवमूल्यन का बिगुल बज गया था ! यह दो चरणों वाला नृत्य था और इसकी तैयारी पहले से ही कर ली गई थी और बहुत ही कुशलता के साथ पूरा किया गया था।इसके बाद जो हुआ, उसे दो शब्दों में विशुद्ध साहस कहा जा सकता है। इसके तुरंत बाद सरकार ने व्यापार नीति सुधार, नई औद्योगिक नीति और लीक से हट कर बजट बनाया था। इस पर दुनिया का ध्यान गया और उसने सरकार के साहस, स्पष्टता और तेजी पर गौर किया। हाथी का नृत्य शुरू हो चुका था।

खुले बाजार की अर्थव्यवस्था – पिछले तीस साल में जब कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार ने उदारवाद के दौर में शुरुआत की, उससे देश को संपत्ति सृजन, नए कारोबार, नए उद्यमों, बड़ा मध्यवर्ग, लाखों रोजगार, निर्यात और सत्ताईस करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालने जैसे मामलों में बड़ा लाभ पहुंचा। फिर भी, इसमें कोई संदेह नहीं कि आबादी का बड़ा हिस्सा बेहद गरीबी में जी रहा है। एक सौ सोलह देशों के वैश्विक भुखमरी सूचकांक 2021 में भारत एक सौ एकवें स्थान पर है। बड़े पैमाने पर महिलाएं और बच्चे कुपोषण के शिकार हैं, जैसा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य परिवार सर्वे-5 में उजागर भी हो गया है। शिक्षा पर सालाना रिपोर्ट बता रही है कि नतीजे कितने बदतर हैं। बड़े पैमाने पर बेरोजगारी है। महंगाई लगातार उच्च स्तर पर जा रही है। आय, संपत्ति और लैंगिक असमानताएं बढ़ रही हैं।लोगों के कई वर्गों को उचित और समान अवसरों से वंचित कर दिया गया है। हम खुली, उदार और बाजार आधारित अर्थव्यवस्था से अलग नहीं हो सकते हैं। ऐसा करना आत्मघाती होगा। आखिरकार, हमें वैश्विक और घरेलू घटनाक्रमों को ध्यान में रखते हुए अपनी आर्थिक नीतियों को फिर से तैयार करने की कवायद करनी चाहिए। इसके लिए 1991 जैसे साहस, स्पष्टता और रफ्तार की जरूरत होती है।

वैश्विक और घरेलू घटनाक्रम – वैश्विक घटनाक्रमों पर विचार करें। अमीर राष्ट्र और अमीर हो गए हैं, उदाहरण के लिए चीन और भारत के बीच खाई और चौड़ी हो गई है। 2022 में चीन की जीडीपी एक सौ सड़सठ खरब अमेरिकी डालर हो जाएगी और भारत की तीस खरब अमेरिकी डालर।डिजिटल प्रौद्योगिकी इंसान की जिंदगी के हर पहलू पर धावा बोलेगी। डाटा नई दौलत होगा। मशीनी मानव, रोबोट, मशीनें और कृत्रिम मेधा दुनिया पर राज करेंगे और इनसान की भूमिका नए सिरे से परिभाषित होगी। 5जी, इंटरनेट 3.0, ब्लाकचेन, मेटावर्स और अज्ञात आदि नई दुनिया में अपनी जगह बनाते हुए इसे फिर से तय करेंगे।जलवायु परिवर्तन अपने नतीजे दिखाएगा और मानव जाति इनका सामना करने को मजबूर होगी। हम जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल छोड़ने को मजबूर होंगे और इस धरती पर बचे रहने के लिए स्वच्छ ऊर्जा के स्रोतों का इस्तेमाल करने के दबाव में होंगे। घरेलू घटनाक्रमों पर गौर करें। कुल प्रजनन दर गिर कर दो पर आ चुकी है, जो विस्थापन दर से भी नीचे है। पंद्रह साल से कम उम्र की आबादी का अनुपात जो 2015-16 में 28.6 फीसद था, वह 2019-20 में गिर कर साढ़े छब्बीस फीसद रह गया। यह वह बिंदु है, जहां से हमारे जनसांख्यिकीय लाभांश का अंत शुरू होता है। औसत किसान अपेक्षाकृत ज्यादा पैदावार देता है, पर उसका जीवन जरा नहीं बदला है। उसे लगने लगा है कि खेती अब संभव नहीं रह गई है और उसके बच्चे इसे करना नहीं चाहते। शहरीकरण तेजी से हो रहा है और शहरी बेरोजगारी दर बढ़ती जा रही है। डिजिटलीकरण का विस्तार होता जा रहा है, इसलिए गरीब और मध्यवर्ग/अमीर के बीच बड़ा डिजिटल अंतर पैदा हो गया है। बहुसंख्यकवाद लोगों के बीच चर्चा और संवाद का विषय बनता जा रहा है और ध्रुवीकरण और नफरत की राजनीति अर्थव्यवस्था पर भारी पड़ जाएगी। अगर किसी देश की आबादी के बीस फीसद हिस्से को राजनीतिक और आर्थिक ढांचे से बाहर कर दिया जाए तो कोई भी राष्ट्र आर्थिक शक्ति नहीं बन सकता।

बहिष्कार आत्मघाती है – मामला फिर से तैयारी के दबाव का है। देश रोजगारविहिन वृद्धि स्वीकार नहीं करेगा, जो पिछले कुछ सालों में रोजगारों के जाने की दर से काफी कम है। वृद्धि की बुनियाद 'नौकरियां' होना चाहिए, रोजगार सृजन से ही सब कुछ ठीक हो जाएगा।हर साल दो करोड़ रोजगार पैदा करने के अहंकारी वादे से लेकर ऐसा फूहड़ तर्क देना कि 'पकौड़ा बेचना' भी रोजगार है, बताता है कि मोदी सरकार ने कड़ी मेहनत करने वाले उन करोड़ों परिवारों का अपमान किया है, जिन्होंने अपने बच्चों को पढ़ाने के लिए सब कुछ दांव पर लगा दिया था और जो अब रोजगार न होने की स्थिति का सामना कर रहे हैं। कुछ समय के लिए हिंदुत्व की सम्मोहक अपील करके मोदी सरकार बच भले ले, लेकिन जल्दी ही नौजवान यह महसूस करेंगे कि हिंदुत्व (और ध्रुवीकृत और विभाजित समाज) किसी को रोजगार नहीं देने वाला, चाहे वह हिंदू, मुसलमान, ईसाई, सिख या किसी भी अन्य धर्म या आस्था को मानने वाला क्यों न हो। यह विमर्श हमें अपरिहार्य रूप से केंद्र-राज्य संबंधों में बदलते संतुलन की ओर ले जाता है। इससे पहले कभी ये संबंध इतने खराब नहीं रहे, राज्यों की वित्तीय हालत पहले कभी इतनी नाजुक नहीं रही। राज्यों के खुद के संसाधन घटने लगे हैं। जीएसटी को लेकर मोहभंग होता जा रहा है, और यह उसे लागू किए जाने के तरीके की बदौलत है। केंद्र और राज्यों के बीच भरोसा पूरी तरह से टूट चुका है। बल्कि अब तो ब्रेक्जिट की तरह ही जीएसटी से बाहर निकलने की चर्चा होने लगी है। केंद्र ने राज्यों के विधायी अधिकार क्षेत्र पर कब्जा कर लिया है और उन अपनी कार्यकारी और वित्तीय शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए राज्यों को चुपचाप काम करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। सिर्फ मोदी सरकार की नीतियां नहीं, बल्कि जिस रास्ते को इसने चुना है, वह भी संघवाद को तबाह करने की ओर जाएगा।

अजब-अनूठा सौरमंडल

हम जिस पृथ्वी पर रहते हैं, वह सौरमंडल (सोलर सिस्टम) का एक छोटा हिस्सा है।

सूर्य, इसके ग्रहों और उनके पास घूमने वाली चीजों को सामूहिक रूप से सौरमंडल या सोलर सिस्टम कहा जाता है। इस सोलर सिस्टम का मुखिया सूर्य है, ठीक वैसे ही जैसे हमारे घर के मुखिया मम्मी-पापा होते हैं। सोलर सिस्टम में सब कुछ सूर्य के इर्द-गिर्द घूमता है। आज इसके बारे में और जानते हैं

सूर्य एक तारा है और सौरमंडल में 8 ग्रह हैं। इनके नाम हैं- बुध (मर्करी), शुक्र (वीनस), पृथ्वी (अर्थ), मंगल (मार्स), वृहस्पति (जूपिटर), शनि (सैटर्न), अरुण (यूरेनस) और वरुण (नेप्च्यून)। हालांकि कुछ साल पहले तक सौरमंडल में 9 ग्रह होते थे और प्लूटो इसका नवां ग्रह था। लेकिन 2006 में वैज्ञानिकों ने प्लूटो को ग्रह की श्रेणी से हटा दिया, क्योंकि यह बहुत छोटा था। चलो आज जानते हैं अपने सोलर सिस्टम की कुछ मजेदार बातों को-

पृथ्वी पर जितने बालू के कण हैं, उससे ज्यादा तारे यूनिवर्स में हैं।

हमारे सोलर सिस्टम की उम्र करीब 4.6 खरब वर्ष है।

अंतरिक्ष में जाने वाले लोग रो नहीं सकते, क्योंकि वहां गुरुत्वाकर्षण नहीं है, इसलिए आंसू नहीं बह सकते।

अगर पृथ्वी पर तुम्हारा वजन 30 किलो है तो चंद्रमा पर जाते ही वह केवल 5 किलो रह जाएगा, लेकिन सूर्य पर 840 किलो हो जाएगा। यानी चंद्रमा पर किसी व्यक्ति का वजन पृथ्वी के वजन का छठा भाग हो जाता है, जबकि सूर्य पर वजन पृथ्वी से 24 गुणा हो जाता है। ऐसा अलग-अलग स्थानों के अलग गुरुत्वीय खिंचाव की वजह से होता है।

सिरीअस (इसे डॉग स्टार भी कहा जाता है) सूर्य से भी बहुत चमकीला तारा है। सिरीअस यूनिवर्स का सबसे चमकीला तारा है।

अगर तुम अंतरिक्ष में चिल्लाओगे तो तुम्हारे पास खड़ा व्यक्ति भी उसे सुन नहीं पाएगा, क्योंकि वहां कोई हवा नहीं है, जो तुम्हारी आवाज को आगे ले जा सके।

जिस तरह पृथ्वी सौरमंडल का हिस्सा है, उसी तरह सौरमंडल एक गैलेक्सी का हिस्सा है, जिसे 'मिल्की वे' कहा जाता है।

सूर्य का मजबूत गुरुत्वीय बल पृथ्वी और दूसरे ग्रहों को उनके स्थान पर रखता है।

बुध ग्रह सूर्य के सबसे नजदीक है, लेकिन यह सबसे गर्म ग्रह नहीं है। शुक्र सौरमंडल का सबसे गर्म ग्रह है।

सूर्य का करीब 75 प्रतिशत हिस्सा हाइड्रोजन से बना है, जबकि बाकी का ज्यादातर हिस्सा हीलियम है।

सूर्य के प्रकाश को पृथ्वी पर पहुंचने में करीब 8 मिनट लगते हैं।

चंद्रमा के प्रकाश को पृथ्वी पर पहुंचने में करीब 1.25 सेकंड लगते हैं।

सौरमंडल के 8 ग्रह दो ग्रुप में बांटे गए हैं- इनर प्लैनेट और आउटर प्लैनेट। बुध, शुक्र, मंगल और पृथ्वी इनर प्लैनेट हैं, जबकि वृहस्पति, शनि, यूरेनस और नेप्च्यून आउटर प्लैनेट हैं।

इनर प्लैनेट और आउटर प्लैनेट के छोटे-छोटे निकाय (बॉडीज) यानी बेहद छोटे आकाशीय पिंडों के छल्ले हैं, जो रॉक और मेटल से बने होते हैं। इन्हें 'एस्टरॉइड' या क्षुद्र ग्रह कहते हैं। ये सूर्य के चारों तरफ भी घूमते रहते हैं। इन छल्लों को 'एस्टरॉइड बेल्ट' भी कहते हैं।

बुध
सूर्य के सबसे नजदीक

इसका नाम रोमन देवताओं के संदेशवाहक (मेसेंजर) के नाम पर रखा गया है। यह सूर्य का सबसे नजदीकी ग्रह है।

बुध पर दिन में तापमान 400 डिग्री होता है, जबकि यह रात में माइनस 180 डिग्री हो जाता है।

यह सबसे छोटा ग्रह है और इसका कोई उपग्रह नहीं है।

बुध पर पानी नहीं है, यहां कोई मौसम नहीं होता और इसे नंगी आंखों से देखा जा सकता है।

यह सूर्य का चक्कर 88 दिनों में लगाता है, इसलिए बुध ग्रह पर एक वर्ष 88 दिनों का होता है।

शुक्र सबसे चमकीला और गर्म ग्रह

यह सौरमंडल का सबसे चमकीला और गर्म ग्रह है।

इसका नाम प्रेम और सुंदरता के रोमन देवता के नाम पर है। यह सूर्य का चक्कर 225 दिनों में लगाता है।

शुक्र को पृथ्वी का जुड़वां या सिस्टर ग्रह भी कहा जाता है, क्योंकि इसका साइज और भार करीब-करीब पृथ्वी के बराबर ही है।

अगर आकाश में इसकी स्थिति का पता हो तो इसे कभी-कभी नंगी आंखों से भी देखा जा सकता है।

रबड़बैंड से बनाई बॉल...

रबड़बैंड किसी चीज को बांधने में काम आती है, लेकिन एक व्यक्ति ने इस रबड़बैंड से भारी भरकम बॉल बना दी है। इसका वजन करीब 113 किलो है। इसे बनाने में 32 साल लगे हैं। न्यूयॉर्क के जैक हैंपल ने 3 साल की उम्र से रबड़बैंड इकट्ठा करके बॉल बनाना शुरू किया। वे 35 साल के हो गए हैं, लेकिन उनका जुनूज आज भी जारी है। इसमें करीब 5800 बैंड लगे हैं। इस बॉल को देखने आसपास के शहरों के लोग भी आते हैं। जैक के अनुसार वह 7 लाख रबड़बैंड से बनाई जा चुकी बॉल का रिकॉर्ड तोड़ने के बाद ही बॉल बनाना बंद करेंगे।

बर्फ का महल

बर्फ का महल सुनकर थोड़ा अजीब जरूर लगता है, लेकिन यह सच है। खास बात यह है कि इस महल में पेड़ भी बर्फ के और अंदर रखी गई हर एक चीज बर्फ की है। यह महल बनाया गया है जापान में। यहां के हकीडो द्वीप में आयोजित सपोरो स्नो फेस्टीवल के लिए बर्फ का महल तैयार किया गया है। इस महल में बर्फ से बनी 198 से ज्यादा कलाकृतियां लगाई गई हैं। इनमें कई जानवरों की भी मूर्तियां शामिल हैं। यहां पर मलेशिया की अब्दुल समद बिल्डिंग और आगरा के इतमाद उल दोला के मकबरे की हूबहू बर्फ से बनी कलाकृतियां देखी जा सकती हैं। फेस्टिवल के दौरान डांस कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे, जिसमें स्टेज आदि सब कुछ बर्फ का होगा। इस फेस्टिवल में 20 लाख से अधिक लोगों के आने का अनुमान है।

मंगल
लाल ग्रह

मंगल के दो उपग्रह हैं।

इसका नाम युद्ध के रोमन देवता के नाम पर रखा गया है।

आयरन ऑक्साइड की वजह से इसकी सतह लाल दिखती है, जिसकी वजह से इसे 'रेड प्लैनेट' भी कहा जाता है।

मंगल के वायुमंडल में 95 प्रतिशत कार्बन डाईऑक्साइड, 3 प्रतिशत नाइट्रोजन, 1.6 प्रतिशम ऑर्गन है और कुछ ऑक्सीजन तथा पानी भी है।

वृहस्पति सबसे बड़ा ग्रह

यह सौरमंडल का सबसे बड़ा ग्रह है। इसका नाम रोमन देवता जूपिटर के नाम पर रखा गया है। जूपिटर किसी भी ग्रह के मुकाबले सबसे ज्यादा तेजी से घूमता है। इसके 67 चंद्रमा यानी सेटेलाइट हैं। इसे 'तूफानी ग्रह' भी कहते हैं, क्योंकि इसके वायुमंडल में बहुत सारे तूफान आते हैं। अलग-अलग तरह के तूफानों और बादलों के बनने की वजह से यह बहुत कलरफुल प्लैनेट लगता है। इसे सोलर सिस्टम का 'वैक्यूम क्लीनर' भी कहा जाता है।

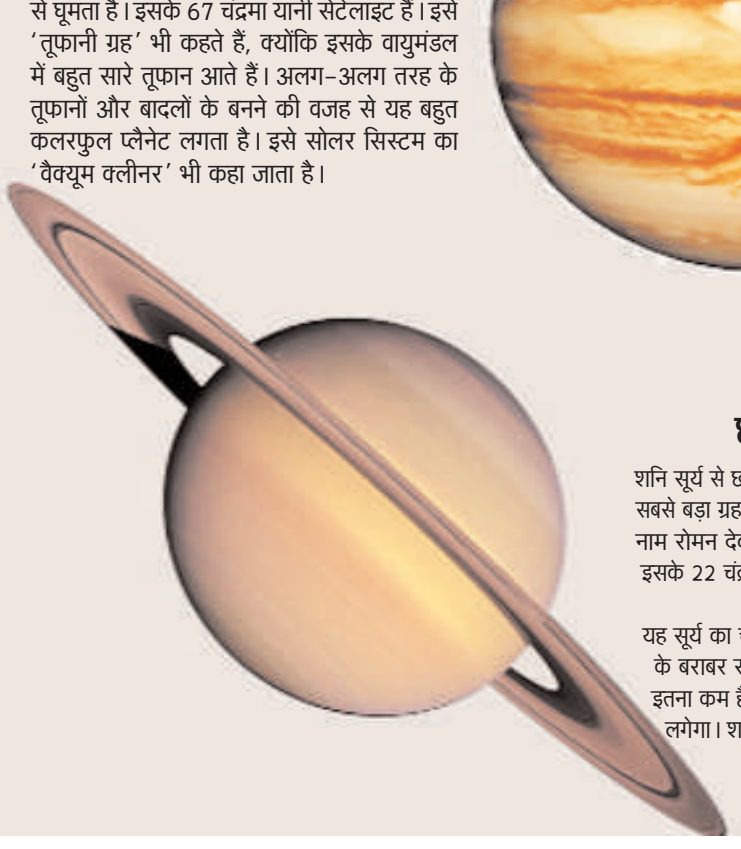

शनि
छल्लों (रिंग) वाला ग्रह

शनि सूर्य से छठा ग्रह है और यह सौरमंडल का दूसरा सबसे बड़ा ग्रह है और सबसे हल्का ग्रह भी। इसका नाम रोमन देवता सैटर्न के नाम पर रखा गया है। इसके 22 चंद्रमा हैं। इसे नंगी आंख से देख सकते हैं। यह पृथ्वी से 95 गुणा भारी है।

यह सूर्य का चक्कर लगाने में पृथ्वी के 29.5 साल के बराबर समय लेता है। इसका घनत्व (डेंसिटी) इतना कम है कि इसे पानी में रखने पर यह तैरने लगेगा। शनि ग्रह के चारों ओर दिखने वाले रिंग पत्थर और बर्फ के टुकड़ों से बने हैं।

पृथ्वी नीला ग्रह

इसे पानी वाला ग्रह भी कहा जाता है, क्योंकि पृथ्वी के 70 प्रतिशत से ज्यादा हिस्से पर पानी है। सूर्य का जितना प्रकाश पृथ्वी पर पहुंचता है, उसका एक-तिहाई हिस्सा ही वह रिफ्लेक्ट करती है। पृथ्वी का वायुमंडल सूर्य के प्रकाश को बिखेर देता है और एक ब्लू इफेक्ट पैदा करता है। इसलिए पृथ्वी को 'ब्लू प्लैनेट' भी कहते हैं। पृथ्वी इकलौता ग्रह है, जहां जीवन है यानी लोग रहते हैं। यह अपने अक्ष पर घूमती है, जिससे दिन और रात होते हैं। ऐसा करने में इसे 24 घंटे का समय लगता है। यह सूर्य का एक चक्कर लगाने में करीब 365 दिन लगाती है, इसलिए पृथ्वी पर एक साल 365 दिनों का होता है।

पृथ्वी के सूर्य का चक्कर लगाने के दौरान इसमें जो झुकाव होता है, उसकी वजह से मौसम बदलते हैं। पृथ्वी का सिर्फ एक उपग्रह है, उसका नाम है चंद्रमा।

चंद्रमा भले ही चमकता हुआ दिखाई दे, लेकिन यह सूर्य के प्रकाश से चमकता है। पूर्णिमा के दिन का चांद यानी फुल मून अर्ध चंद्र (हाफ मून) से 9 गुणा चमकीला होता है।

अरुण
पूर्व से पश्चिम घूमने वाला ग्रह

इसका नाम आकाश के रोमन देवता के नाम पर रखा गया है। यह इकलौता प्लैनेट है, जो अपने अक्ष पर पूर्व से पश्चिम की ओर घूमता है।

इसके 27 चंद्रमा यानी सेटेलाइट हैं।

यह बहुत ठंडा ग्रह है। यह सूर्य से बहुत दूर है, जिसके कारण सूर्य का जितना प्रकाश पृथ्वी पर पहुंचता है, उससे 370 गुणा कम प्रकाश यूरेनस पर पहुंचता है।

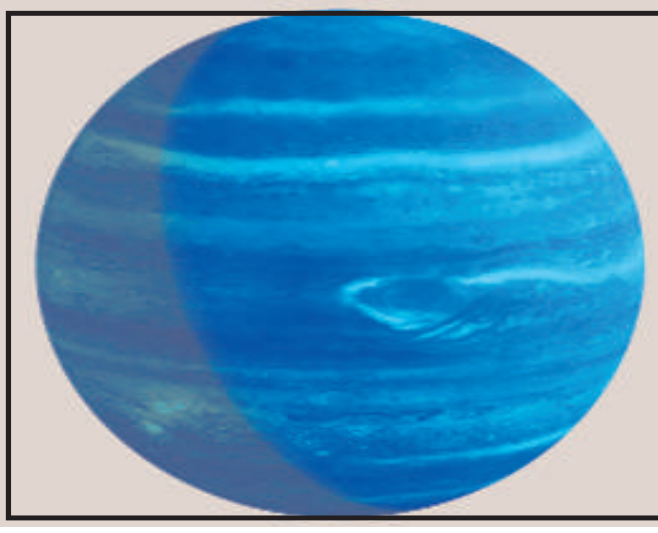

वरुण
सबसे ठंडा ग्रह

इसे नंगी आंखों से नहीं देखा जा सकता। इसके 8 चंद्रमा हैं। यह सौरमंडल का सबसे ठंडा ग्रह है। सूर्य से इसकी औसत दूरी 4.50 खरब किलोमीटर है और यह सूर्य का एक चक्कर लगाने में औसतन 164.79 साल का समय लेता है।

सोनिया-राहुल को ईडी का नोटिस, नेशनल हेराल्ड केस में 8 जून को पेश होने को कहा

रणददीप सुरजेवाला बोले- तानाशाह सरकार डर गई

नई दिल्ली
प्रवर्तन निदेशालय कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी को समन भेजा। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग केस (अंडर सेक्शन 50 एक्ट) में दोनों से 8 जून को पूछताछ में शामिल होने के लिए कहा है। कांग्रेस ने बताया कि सोनिया गांधी पूछताछ में शामिल होंगी। अगर, राहुल दिल्ली में रहे, तो वे भी पूछताछ में जाएंगे। एजेंसी ने नेशनल हेराल्ड केस की जांच में दोनों नेताओं को शामिल होने को कहा है। इस केस में ईडी ने कांग्रेस के 2 बड़े नेता पवन बंसल वह मल्लिकार्जुन खड़गे को बीते 12 अप्रैल को जांच में शामिल किया था। 2014 में सुब्रमण्यम स्वामी ने सोनिया और राहुल के खिलाफ केस दर्ज कराया था। इसमें स्वामी ने गांधी परिवार पर 55 करोड़ की गड़बड़ी का आरोप लगाया था। कांग्रेस ने नोटिस जारी होने पर केंद्र सरकार पर हमला बोला है। प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि तानाशाह सरकार डर गई है, इसलिए बदले की कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार बदले की भावना में अंधी हो गई है। नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया और राहुल को ईडी का समन भेजा है। वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि मनगढ़ंत आरोप है और प्रतिशोध की भावना है। इस केस में ईडी को कुछ नहीं मिलेगा। राहुल गांधी बाहर हैं, उनके लिए समय मांगेंगे। सुब्रमण्यम स्वामी ने 2012 में आरोप लगाया था कि कांग्रेस ने पार्टी फंड से राहुल और सोनिया को 90 करोड़ रुपए दिए थे। इसका मकदस एसोसिएट जर्नल्स की 2 हजार करोड़ की संपत्ति हासिल करना था। इसके लिए गांधी परिवार ने महज 50 लाख रुपए की मामूली रकम दी थी। 1938 में कांग्रेस पार्टी ने एसोसिएट जर्नल्स लिमिटेड (छ्रुरु) बनाई थी। इसी के तहत नेशनल हेराल्ड अखबार निकाला जाता था। एजेएल पर 90 करोड़ से ज्यादा का कर्ज था और इसी को खत्म करने के लिए एक और कंपनी बनाई गई।

भोपाल में भाजपा अध्यक्ष नड्डा का सोनिया-राहुल पर तंज

भोपाल में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सोनिया-राहुल को ईडी के नोटिस पर कहा- चेहरा गड़बड़ है और वे आईना साफ कर रहे हैं। कभी आपने देखा कि कोई मुजरिम बोले कि मैं बेईमान हूं। राहुल गांधी न तो इंडियन, न नेशनल, न कांग्रेस के रह गए हैं।
कांग्रेस तो भाई-बहन की पार्टी है। वह तो लंदन जाकर बोलते हैं। कांग्रेस ने इसे सुप्रीम कोर्ट में भी चुनौती दी, लेकिन 4 दिसंबर 2018 को कोर्ट ने कहा कि आयकर की जांच जारी रहेगी। हालांकि, अगली सुनवाई तक कोई आदेश नहीं पारित होगा।

मूसेवाला की हत्या के बाद सलमान की सुरक्षा बढ़ी

मुंबई पुलिस अलर्ट मोड में, लॉरेंस बिश्नोई दे चुका है जान से मारने की धमकी

नई दिल्ली
मुंबई पुलिस ने सलमान खान की सुरक्षा बढ़ा दी है। यह कदम सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या के बाद मिले एक सीक्रेट इंटेल के बाद उठाया गया है। अब सलमान के साथ उनकी प्राइवेट सिक्योरिटी के साथ मुंबई पुलिस के आधा दर्जन सिपाही भी रहेंगे। मूसेवाला की हत्या की जिम्मेदारी गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के गुर्गे गोल्डी बरार ने ली है।
मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, हमने सलमान खान की सुरक्षा बढ़ाई है। पुलिस यह सुनिश्चित करने के लिए उनके अपार्टमेंट के आसपास मौजूद रहेगी कि राजस्थान से गिरोह कोई हरकत न करे।

काला हिरण मामले में सलामन को मिली थी धमकी

इसी गैंग ने सलमान को कुछ साल पहले जान से मारने की धमकी दी थी। इसे देखते हुए सलमान की सुरक्षा बढ़ाई गई है। लॉरेंस बिश्नोई ने कथित तौर पर काला हिरण का शिकार करने के मामले में सलमान खान की बाद हत्या की साजिश रची थी। बिश्नोई समुदाय काला हिरण को पवित्र मानते हैं और इसके शिकार को लेकर सलमान खान को जान से मारने की धमकी दे डाली थी।

जोधपुर में मरवाने का किया था ऐलान

साल 2008 में अदालत के बाहर, लॉरेंस बिश्नोई ने कहा था कि वे जोधपुर में सलमान खान को मार देंगे। उन्होंने यह भी कहा था, 卐अभी तो मैंने कुछ किया नहीं है, लेकिन जब सलमान खान को मारेंगे तो पता चल जाएगा। फिलहाल मुझे फालतू में घसीटा जा रहा है।卐

अलविदा केके : कोलकाता में गन सैल्यूट दिया गया; आज अंतिम संस्कार

कोलकाता
बॉलीवुड सिंगर केके (कृष्ण कुमार कुन्नथ) का मंगलवार को कोलकाता में लाइव कॉन्सर्ट के बाद 53 साल की उम्र में निधन हो गया। परफॉर्मेंस के बाद वह होटल पहुंचे और उनकी तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें सीएमआरआई (कोलकाता मेडिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट) हॉस्पिटल ले जाया गया। हालांकि, अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो गई। कुछ रिपोर्ट्स में यह भी कहा जा रहा है कि उनके सिर में चोट थी। पुलिस ने अननैचुरल डेथ का केस दर्ज किया है। कॉन्सर्ट की सीसीटीवी फुटेज की भी जांच की जाएगी। सिंगर की पत्नी और बच्चे कोलकाता पहुंचे हैं। पोस्टमार्टम के बाद केके की पार्थिव देह रबीन्द्र सदन लाया गया है। यहीं उन्हें पश्चिम बंगाल सरकार ने राजकीय सम्मान भी दिया। इसके साथ ही पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने रबीन्द्र सदन पहुंचकर केके को श्रद्धांजलि दी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, शाम 5 बजे की फ्लाइट से केके की पार्थिव देह मुंबई ले जाया जाएगा। सिंगर का अंतिम संस्कार आज मुंबई में होगा।

ज्ञानवापी पर 1936 में भी हुआ था केस : अंग्रेज जज ने मुस्लिम पक्ष का दावा खारिज किया था, सिविल कोर्ट-हाईकोर्ट ने नहीं मानी थीं मांगें

वाराणसी
वाराणसी के मां श्रृंगार गौरी-ज्ञानवापी मामले के बीच लगभग 90 साल पुराना दीन मोहम्मद का मुकदमा भी चर्चा में है। मुस्लिम पक्ष दावा करता है कि दीन मोहम्मद के मुकदमे के साथ ही ज्ञानवापी से जुड़े विवाद का निपटारा अदालत ने कर दिया था। इसके उलट हिंदू पक्ष का दावा है कि दीन मोहम्मद केस में हिंदुओं की ओर से कोई शामिल ही नहीं था। इसलिए उस मुकदमे से संबंधित कोई भी तथ्य हिंदुओं पर लागू नहीं है। इस मसले पर बनारस के इतिहास पर स्वतंत्र अध्ययन करने वाले सिविल कोर्ट के वरिष्ठ

एडवोकेट नित्यानंद राय से बातचीत की।
अगस्त 1936 में दाखिल हुआ था केस
एडवोकेट नित्यानंद राय ने बताया कि दीन मोहम्मद, मोहम्मद हुसैन और मोहम्मद जकारिया ने सेक्रेटरी ऑफ स्टेट ऑफ इंडिया के जरिए सिविल जज की अदालत में 11 अगस्त 1936 को मुकदमा दाखिल किया था। इसमें मांग की गई थी कि ज्ञानवापी परिक्षेत्र की आराजी नंबर-9130 का कुल रकबा 1 बीघा, 9 बिस्वा और 6 धूर है। आराजी उस नंबर को कहते हैं, जो सरकारी रिकॉर्ड में उस जमीन के सामने दर्ज है। दूसरी अपील यह थी कि यदि पूरी आराजी पर कोर्ट वादीगण की संपत्ति नहीं पाती तो कस्टमरी अधिकार के तहत उन्हें पूरी जमीन पर नमाज पढ़ने और अन्य धार्मिक आयोजन करने की अनुमति दी जाए। निचली अदालत ने जब पूरी जमीन को वक्फ संपत्ति घोषित करने से इनकार कर दिया तो दीन मोहम्मद ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में अपील दाखिल की। हाईकोर्ट ने अपील खारिज कर दी थी।

जज ने माना औरंगजेब ने मंदिर तोड़ा था

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने फैसले में लिखा था कि विद्वान सिविल जज ने मस्जिद की उत्पत्ति की विस्तृत पड़ताल की। वह इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि मस्जिद का निर्माण हिंदू मंदिर के ध्वंस पर हुआ है। उस मंदिर को औरंगजेब ने 17वीं शताब्दी में तोड़ दिया था।
हालांकि, हाईकोर्ट ने कहा था कि हम यह जरूरी नहीं समझते कि इस सवाल तक पहुंचा जाए कि मस्जिद की उत्पत्ति कैसे हुई थी।

न्यूज ब्रीफ

एसडीओ ऑफिस में आतंकी ओसामा की फोटो:ऑफिसर बोले- इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, किसी को भी आदर्श मान सकता हूं

फर्रुखाबाद। फर्रुखाबाद में बिजली विभाग के एक एसडीओ रवींद्र प्रकाश ने ऑफिस में ओसामा बिन लादेन की फोटो लगाई है। फोटो के नीचे लिखा है, श्रद्धेय ओसामा बिन लादेन, विश्व का सर्वश्रेष्ठ अवर अभियंता%। ओसामा की फोटो के बगल में एसडीओ और उनके 2 कर्मचारियों की फोटो लगी है। एसडीओ को अपनी करनी का कोई पछतावा नहीं है। उनका कहना है, कोई व्यक्ति किसी को भी अपना आदर्श मान सकता है। नवाबगंज के विद्युत वितरण निगम कार्यालय में एसडीओ रवींद्र प्रकाश गौतम तैनात हैं।

ष्ठरूस्वकसे की शिकायत

भारतीय किसान यूनियन (भारत) के जिलाध्यक्ष प्रमोद मिश्रा ने बताया, यूनियन का एक कार्यकर्ता किसी काम से विद्युत निगम कार्यालय गया था। दफ्तर में ओसामा की फोटो देख मामले की जानकारी दी। इसका वीडियो जैसे ही उनके पास आया, उन्होंने डीएम संजय कुमार सिंह और एसपी अशोक कुमार मीणा को इसकी जानकारी दी। दोनों अधिकारियों ने जांच कर कार्रवाई करने की बात कही है। उन्होंने बताया, फिलहाल वीडियो वायरल होने के बाद फोटो हटा ली गई है।

एसडीओ का मानसिक संतुलन बिगड़ गया

वहीं सुपरिटेंडेंट इंजीनियर एसके श्रीवास्तव ने बताया एसडीओ का मानसिक संतुलन बिगड़ गया है। हमने और मुख्य अभियंता कानपुर राकेश वर्मा ने उनका फोन तक उठाना बंद कर दिया है। इससे पहले एसडीओ रवींद्र प्रकाश गौतम, एमडी समेत अन्य अधिकारियों के खिलाफ पत्र लिख चुके हैं।

राम मंदिर का गर्भगृह निर्माण शुरू:आंदोलन से जुड़े 300 लोग बने गवाह, योगी बोले- 500 सालों की साधना सिद्ध हुई

नई दिल्ली
श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के गर्भगृह का शिलान्यास मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया। राम मंदिर का गर्भगृह कमल की आकृति का आठ कोण वाला होगा। इसकी दीवार 6 फिट मोटी होगी, जिसका बाहरी हिस्सा पिंक स्टोन का होगा। इसका कलश 161 फिट ऊंचा रहेगा। इस अवसर पर स्वामी परमानंद सहित राम मंदिर आंदोलन से जुड़े 100 से ज्यादा संतों सहित 300 लोग इस ऐतिहासिक पल के गवाह बने।
कार्यक्रम के बाद मीडिया से बात करते हुए ष्टरूयोगी ने कहा- राम मंदिर भारत का राष्ट्र मंदिर होगा। मुख्यमंत्री ने कहा- अब सैकड़ों वर्षों का इंतजार खत्म होने वाला है, क्योंकि तेजी से मंदिर के निर्माण का काम होगा। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि शिला पूजन करना बेहद सौभाग्य की बात। गर्भगृह

का पहला पत्थर रख दिया है, गोरक्षनाथ पीठ की तीन पीढ़ी इस मंदिर आंदोलन से जुड़ी हुई थी। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज से शिलाओं के रखने का काम तेजी से शुरू हो जाएगा।

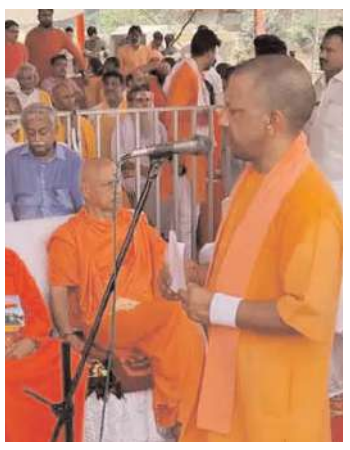

योगी की बड़ी बातें

- पिछले 500 साल से देश के साधु-संत राम मंदिर आंदोलन को चला रहे थे, आज उन सभी लोगों की आत्मा को शांति की अनुभूति होगी।
- राम मंदिर आंदोलन से जुड़े अशोक सिंघल की आत्मा को शांति मिली होगी कि मंदिर का निर्माण कार्य पूरा हो रहा है।
- अब वो दिन दूर नहीं है जब मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर अयोध्या धाम में बनकर तैयार हो जाएगा, यह मंदिर भारत का राष्ट्र मंदिर होगा।
- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गर्भगृह का पहला पत्थर रख दिया है। इसके साथ ही उन्होंने मंदिर के आर्किटेक्ट के अलावा कारीगरों को सम्मानित किया।

बांग्लादेश से तैरकर भारत आई प्रेमिका

22 साल की लड़की एक घंटे तक नदी में तैरी, प्रेमी से शादी की; अब गिरफ्तार

नई दिल्ली
प्यार जो न कराए कम है। बांग्लादेश से भारत आई 22 साल की कृष्णा मंडल की कहानी सुनकर आप यही कहेंगे। वे भारत में अपने प्रेमी से मिलने जानवरों से भरे सुंदरबन डेल्टा को पार करके पश्चिम बंगाल आ गईं। शादी भी कर ली, लेकिन पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। अब पुलिस उन्हें वापस बांग्लादेश भेजने की तैयारी कर रही है।
कृष्णा मंडल की कुछ समय पहले फेसबुक के जरिए भारत में रहने वाले आशिक मंडल से दोस्ती हुई थी, जो प्यार में बदल गई। उन्होंने शादी का फैसला कर लिया। कृष्णा के पास पासपोर्ट नहीं था इसलिए उसे भारत में एंट्री नहीं मिल रही थी। परेशान होकर उसने सुंदरबन डेल्टा तैरकर भारत आने का फैसला किया।

पत्नी गिरफ्तार, पति परेशान

कृष्णा लगभग एक घंटे नदी में तैरीं और भारत की सीमा में पहुंची। उसने

-प्रतिकात्मक तस्वीर

पिछले हफ्ते कोलकाता के मंदिर में शादी कर ली। पुलिस को खबर लगी तो कृष्णा को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों का कहना है कि उसके पास भारत आने के जरूरी दस्तावेज नहीं हैं। उसे बांग्लादेश बॉर्डर पर अधिकारियों को सौंप दिया जाएगा। अब कृष्णा का पति आशिक मंडल काफी परेशान है और कानूनी मदद लेने की सोच रहा है।

पहले भी हो चुकी है इस तरह की घुसपैठ

यह पहली बार नहीं है जब किसी ने इस तरह सुंदरबन को तैरकर भारत में घुसपैठ की हो। इस साल की शुरुआत में भी एक युवक चॉकलेट खरीदने के लिए ऐसे ही भारत में घुसा था। तब अदालत ने उसे 15 दिन की जेल की सजा सुनाई थी।

PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्तम्भ

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, टिवीटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

धोनी ने पोंछे दिव्यांग फैन के आंसू:माही से मिलकर इमोशनल हुई फैन गर्ल, कैप्टन कूल ने समझाया- कभी मत रोना

नई दिल्ली
आईपीएल 2022 में चेन्नई का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा, लेकिन टीम के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी सुर्खियों में बने हुए हैं। रांची एयरपोर्ट पर धोनी ने अपनी एक दिव्यांग फैन के साथ समय बिताकर उसे जिंदगी का काफी स्पेशल मोमेंट दिया। फैन गर्ल लावण्या ने इसकी तस्वीर अपने सोशल मीडिया पर शेयर की और बताया कि मुलाकात के दौरान जब वे इमोशनल हो गई तो धोनी ने खुद उनके आंसू पोंछे और कहा कभी रोना नहीं।

स्केच देखकर धोनी बोले- इसे मैं ले जाऊंगा

लावण्या ने मुलाकात के दौरान धोनी को खुद बनाया स्केच भी गिफ्ट किया। लावण्या ने अपने पोस्ट में बताया कि धोनी ने मुझे स्केच के लिए थैंक यू कहा और कहा कि इसे तो मैं ले जाऊंगा। लावण्या के मुताबिक वो इन शब्दों को हमेशा याद रखेंगी। अपने सोशल मीडिया पोस्ट के कैप्शन में लावण्या ने लिखा कि 31 मई 2022 उनके लिए हमेशा स्पेशल रहेगा।

अगले सीजन में भी आईपीएल में नजर आएंगे धोनी

फैंस के बीच धोनी की लोकप्रियता उन्हें खेल से अलग होने ही नहीं देती। आइपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी करने वाले धोनी के लिए बल्ले से ये सीजन ज्यादा खास नहीं रहा और वे 14 मैचों में केवल 232 रन बना सके। टीम भी प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाई। हालांकि, धोनी साफ कर चुके हैं कि वे अपना आखिरी मुकाबला चेन्नई के ग्राउंड पर खेलना चाहते हैं, ऐसे में वे अगले साल भी आईपीएल में नजर आएंगे।

धोनी काफी स्वीट हैं, उनसे मिलना जिंदगी का सबसे शानदार अनुभव

लावण्या के सोशल मीडिया पोस्ट के मुताबिक उनकी 31 मई को धोनी से मुलाकात रांची एयरपोर्ट पर हुई। इस दौरान उन्होंने धोनी को अपना स्केच भी गिफ्ट किया। लावण्या ने अपने पोस्ट में लिखा- मैं धोनी से मुलाकात को शब्दों में बयां नहीं कर सकती। वो काफी दयालु और स्वीट हैं। जिस तरह से उन्होंने मेरे नाम की स्पेलिंग पूछी और मुझसे हाथ मिलाया। ये मेरी जिंदगी का सबसे बेहतरीन अनुभव था। लावण्या धोनी से मुलाकात के बाद इमोशनल हो गईं तो धोनी ने उनके आंसू पोंछते हुए कहा कि कभी रोना नहीं।

स्पीड स्टार मलिक पर बावुमा का बड़ा बयान : बोले-
उमरान जितनी स्पीड को खेलना हमारी रोज की आदत

नई दिल्ली
आईपीएल में अपनी स्पीड से सनसनी मचाने वाले उमरान मलिक को लेकर साउथ अफ्रीका के कप्तान तेंबा बावुमा ने बड़ा बयान दिया है। भारत के लिए रवानगी से पहले तेंबा बावुमा ने कहा है कि उमरान मलिक जिनती स्पीड से बॉल फेंकते हैं उतनी गति की बॉल खेलना हमारे बल्लेबाजों की रोज की आदत है। 32 साल के इस साउथ अफ्रीकी बल्लेबाज ने कहा- हमें उनकी ज्यादा फिक्र नहीं है। हमारी टीम तेज गति का सामना करने का अनुभव रखती है। हम तेज गेंदबाजों को खेलकर ही बड़े हुए हैं। मुझे नहीं लगता कि कोई भी बल्लेबाज 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद का सामना करना पसंद नहीं करता है। आप जितनी तैयारी कर सकते हैं, करें... हमारे पास ऐसे खिलाड़ी भी हैं जो 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी कर सकते हैं। हमारे पास भी ऐसे हथियार हैं। इस सीरीज में टीम इंडिया उमरान मलिक और लेफ्ट हैंड पेसर अर्शदीप को ट्रंप की तरह इस्तेमाल कर मेहमान बल्लेबाजों के मन डर पैदा करना चाहेंगे। ऐसे में मेहमान टीम के कप्तान का बयान उनके बल्लेबाजों को मेंटल सपोर्ट करेगा।

2 जून को आ सकती है टीम

भारतीय दौरे के लिए साउथ अफ्रीका की टीम गुरुवार को दिल्ली पहुंच सकती है। उसे यहां 9 जून को पहला टी-20 मुकाबला खेलना है। टीम पांच मुकाबलों के दौरे पर भारत आ रही है। ऑस्ट्रेलिया में होने जा रहे टी-20 वर्ल्ड कप से पहले यह दौरा टीम इंडिया के लिए प्रैक्टिस टूर्नामेंट की तरह है। ऐसे में सिलेक्टर्स ने युवाओं को आजमाने का फैसला लिया है। साथ ही टीम के रेग्युलर खिलाड़ियों को वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत आराम दिया है।

टीम इंडिया को हल्के में नहीं लेंगे बावुमा

साउथ अफ्रीकी कप्तान तेंबा बावुमा टीम इंडिया को हल्के में नहीं लेंगे। उन्होंने सीनियर्स को आराम देने के सवाल पर कहा कि टीम में राहुल-पंत जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों के साथ भारत सक्षम हाथों में होगा। हमारे पास खिलाड़ियों को आराम देने की सुविधा नहीं है। बीसीसीआई भले ही कुछ खिलाड़ियों को आराम दे रहा हो, लेकिन जो खिलाड़ी खेल रहे हैं वे भी अच्छी फॉर्म में हैं और शानदार खिलाड़ी हैं।

रणजी के क्वार्टरफ़ाइनल में कार्नाटका के लिए नहीं खेलेंगे प्रसिद्ध कृष्णा

नई दिल्ली
छह जून से शुरु होने वाले रणजी ट्रॉफ़ी क्वार्टरफ़ाइनल में तेज़ गेंदबाज़ प्रसिद्ध कृष्णा कार्नाटका की टीम का हिस्सा नहीं होंगे। प्रसिद्ध का चयन इंग्लैंड दौरे पर खेले जाने वाले एकमात्र टेस्ट के लिए हुआ है जो कि पिछले वर्ष कोरोना के कारण नहीं खेला गया था। लिहाज़ा जून के दूसरे हफ़्ते में प्रसिद्ध टेस्ट टीम के साथ इंग्लैंड के लिए रवाना होने वाले हैं। हालांकि कर्नाटका की टीम ने अपने दल की घोषणा कर दी है, जिसमें मयंक अग्रवाल की वापसी हुई है। मयंक अग्रवाल को 2018 में टेस्ट में भारत के लिए डेब्यू करने के बाद पहली बार राष्ट्रीय टीम से बाहर किया गया है। कार्नाटका की टीम में दवदत्त पड़िक्कल और करुण नायर के अलावा मनीष पांडे भी होंगे जो कि टीम की अगुवाई करेंगे। चूंकि केएल राहुल नौ जून से साउथ अफ़्रीका के ख़िलाफ़ शुरु होने वाली टी20 सीरीज़ में भारतीय टीम का नेतृत्व करने वाले हैं इसलिए वह भी कर्नाटका के लिए अनुपलब्ध रहेंगे। कर्नाटका का तेज़ गेंदबाज़ी आक्रमण काफ़ी अनुभवहीन नज़र आ रहा है। दल में सबसे अनुभवी तेज़ गेंदबाज़ रोनित मोरे को 30 फ़र्स्ट क्लास मुक़ाबलों का अनुभव है। जबकि वी कौशिक, वी विजयकुमार, एम वेंकटेश और वी कवेरप्पा को चार-चार फ़र्स्ट क्लास मुक़ाबलों का ही अनुभव है। हालांकि इसके बनिस्बत कर्नाटका की स्पिन गेंदबाज़ी मज़बूत प्रतीत हो रही है। दल में लेग स्पनिर श्रेयस गोपाल और कृष्णप्पा गौतम व जगदीश सुचित जैसे हरफ़नमौला खिलाड़ी मौजूद हैं।

कोरोना से संक्रमित हुए ऑस्ट्रेलियाई कोच ऐंड्रयू मैक्डॉनल्ड

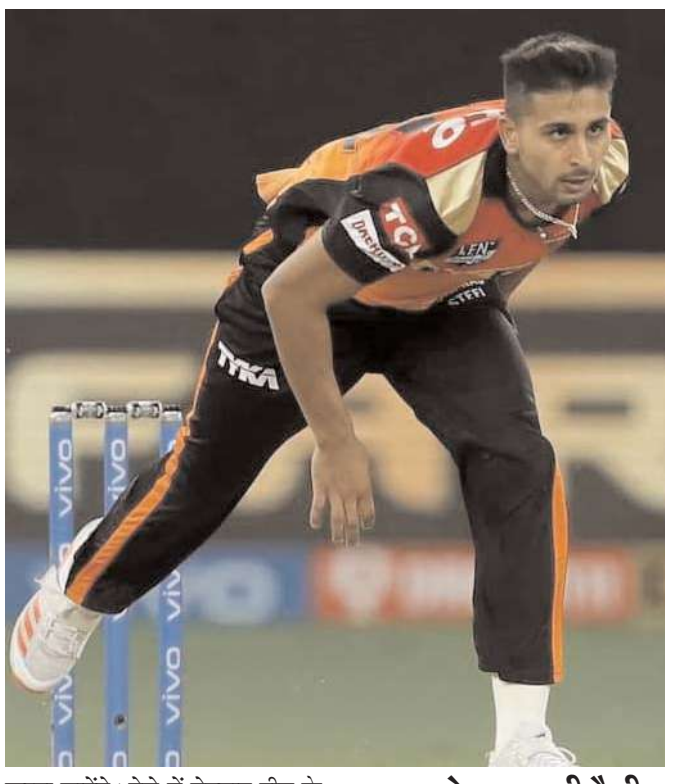

नई दिल्ली
ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच ऐंड्रयू मैक्डॉनल्ड कोरोना से संक्रमित पाए गए हैं, जिस वजह से वह श्रीलंका दौरे के पहले हफ़्ते तक टीम के साथ मौजूद नहीं रहेंगे। ऑस्ट्रेलियाई दल के साथ जुड़ने से पहले मैक्डॉनल्ड सात दिन की आईसोलेशन अवधि को पूरा करेंगे। उनके आठ जून को होने वाले दूसरे टी20 से पहले टीम के साथ जुड़ने की उम्मीद जताई जा रही है। दौरे के शुरुआती दिनों में टीम के सहायक कोच माइकल डि वेनिटो उनका कार्यभार संभालेंगे। स्पिन कोच एस श्रीराम और क्लिंट मकॉए भी टी20 और वनडे सीरीज़ में कोचिंग स्टाफ़ का हिस्सा हैं। श्रीलंका दौरा मैक्डॉनल्ड के लिए ऑस्ट्रेलिया का पूर्णकालीक कोच नियुक्त होने के बाद पहला दौरा है। जस्टिन लैंगर कि विदाई के बाद वह बतौर अंतरिम कोच ऑस्ट्रेलियाई दल के साथ जुड़े थे, जिसके बाद वह राष्ट्रीय दल के साथ पाकिस्तान के दौरे पर गए थे। नवनियुक्त सहायक कोच डैनियल वेटोरी और आंद्रे बोरोवेच टेस्ट सीरीज़ के दौरान मैक्डॉनल्ड के साथ काम करेंगे। बोरोवेच ऑस्ट्रेलिया ए को भी इसी दौरे पर कोच करेंगे। जिसमें दो वनडे और दो चार दिवसीय मुक़ाबले शामिल हैं। श्रीलंका के ख़िलाफ़ टी20 सीरीज़ की शुरुआत सात जून को कोलंबो में होगी। जहां लगातार दो टी20 मुक़ाबले खेले जाएंगे। ऑस्ट्रेलियाई दल गुरुवार को कोलंबो में एकत्रित होने वाला है।

न्यूज़ ब्रीफ

2024 टी20 विश्व कप के लिए जून में होगा क्वालीफ़ाइंग पाथवे का आगाज़

नई दिल्ली। 2024 में अमेरिका व वेस्टइंडीज़ में आयोजित होने वाले टी20 विश्व कप के संबंध में आईसीसी ने प्रवेश प्रक्रिया की घोषणा कर दी है। जून महीने में यूरोप से इस विश्व कप के लिए पहला क्वालीफ़ाइंग इवेंट आयोजित किया जाएगा। क़रीब दो वर्षों तक चलने वाली इस प्रवेश प्रक्रिया में कुल छह महाद्वीपों की टीमें आठ स्थानों के लिए भिड़ेंगी। कुल 20 टीमें उस विश्व कप का हिस्सा होंगी। इनमें 12 टीमों को स्वत: प्रवेश मिल जाएगा जबकि आठ स्थानों को क्वालीफ़ायर मुक़ाबलों के ज़रिए भरा जाएगा। इस साल ऑस्ट्रेलिया में होने वाले विश्व कप में टॉप आठ टीमों के साथ-साथ मेज़बान वेस्टइंडीज़ और अमेरिका को विश्व कप का टिकट दे दिया जाएगा। जबकि इस वर्ष 14 नवंबर 2022 तक आईसीसी टी20 रैंकिंग में अगले दो पायदान पर रहने वालीं टीमों को 2024 के विश्व कप में सीधा प्रवेश दिया जाएगा। यदि वेस्टइंडीज़ की टीम इस विश्व कप में शीर्ष आठ टीमों में समाप्त करती है तब निर्धारित अवधि में रैंकिंग के लिहाज़ से अगली तीन टीमों को 2024 विश्व कप के लिए सीधा प्रवेश दिया जाएगा। कुल मिलाकर, 68 देश सब-रीजनल क्वालीफ़ायर की शुरूआत करेंगे, जिनमें से 28 इस साल के टी20 विश्व कप के परिणाम और 2024 के लिए ऑटोमैटिक क्वालीफ़ायर ज्ञात होने के बाद में प्रवेश करेंगे। पहले चरण में, 68 टीमें दस सब-रीजनल क्वालीफ़ायर में फ़ैली होंगी, जिनमें अफ़्रीका से 16 (दो इवेंट), अमेरिका से आठ (एक इवेंट), एशिया से नौ (दो इवेंट), ईएपी से सात (दो इवेंट) और यूरोप से 28 टीमें (तीन इवेंट) प्रतिस्पर्धा करेंगी। अफ़्रीका में दो सब रीजनल क्वालीफ़ायर से, जिसमें 16 टीमें होंगी, चार टीमें 2023 में रीजनल अफ़्रीका फ़ाइनल में पहुंचेंगी, और अंतत: 2024 में मुख्य आयोजन के लिए दो। अगले साल रीजनल अमेरिका के फ़ाइनल के लिए, अमेरिका के सब-रीजनल क्वालीफ़ायर की आठ टीमें तीन स्थानों के लिए लड़ेंगी। जो फिर 2024 के लिए एक अंतिम स्थान के लिए कनाडा के साथ प्रतिस्पर्धा करेंगी।

वेस्टइंडीज़ के पूर्व ऑलराउंडर होल्फ़ोर्ड का 82 वर्ष की उम्र में निधन

लंदन। वेस्टइंडीज़ के पूर्व हरफ़नमौला खिलाड़ी डेविड होल्फ़ोर्ड का 82 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। उन्होंने बारबाडोस में स्थित अपने घर में अंतिम सांसें लीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक वह पिछले कुछ समय से बीमार चल रहे थे। वह निचले क्रम के बल्लेबाज़ व लेग स्पिनर थे, जिन्होंने कुल 24 टेस्ट मैचों में वेस्टइंडीज़ का प्रतिनिधित्व किया था। 1966 से 1977 के बीच खेले 24 टेस्ट मैचों में उन्होंने 768 रन बनाए जिसमें एक शतक भी उनके नाम दर्ज है। जबकि गेंदबाज़ी में उन्होंने 51 विकेट अपने नाम किए। उन्होंने 1970 के दशक में बारबाडोस की कप्तानी की और उन्हें पांच शेल शील्ड खिताब दिलाए। उन्होंने त्रिनिदाद और टोबैगो का भी प्रतिनिधित्व किया होल्फ़ोर्ड प्रतियोगिता में 1000 रन बनाने और 100 विकेट लेने वाले पहले क्रिकेटर थे।

वर्ल्ड नंबर-1 जोकोविच फ्रेंच ओपन से बाहर

13 बार के चैंपियन राफेल नडाल ने दी मात, अब सेमीफाइनल में ज्वेरेव से नडाल का सामना

पेरिस
दुनिया के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच साल के दूसरे ग्रैंड स्लैम फ्रेंच ओपन से बाहर हो गए हैं। डिफेंडिंग चैंपियन जोकोविच को लाल बजरी के राजा कहे जाने वाले राफेल नडाल ने क्वार्टर फाइनल मुकाबले में 6-2, 4-6, 6-2, 7-6 (7-4) से हराया। इस जीत के साथ ही नडाल टेनिस के मेजर टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। जहां उनका सामना तीन जून को तीसरी सीड एलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा। मुकाबले में टॉप सीड खिलाड़ी ने पहला सेट 6-2 से गंवाया और फिर उसके बाद दूसरे सेट को 6-4 से जीतते हुए मुकाबले को रोमांचक बना दिया। उसके बाद स्पेनिश खिलाड़ी नडाल ने लगातार दो सेट 6-2, 7-6 से जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। दोनों इस टूर्नामेंट में 59वीं बार आमने-सामने थे। इस जीत के बाद दोनों में हार जीत का अंतर 29-30 हो गया है। स्पेन के नडाल ने 29वां मैच जीता है। जबकि सर्बिया के जोकोविच 30 मैच जीत चुके हैं। नडाल ने अब तक 13 फ्रेंच ओपन टाइटल जीते हैं। इसके अलावा, 2 ऑस्ट्रेलियन ओपन, 2 विंबलडन और 4 यूएस ओपन जीते हैं। इस साल की शुरुआत उन्होंने ऑस्ट्रेलियन ओपन के खिताब से की है। वहीं, 2020 में आखिरी बार उन्होंने फ्रेंच ओपन जीता था। नडाल 1968 से शुरू हुए टेनिस के ओपन एरा में एक ही ग्रैंड स्लैम सिंगल्स खिताब 13 बार जीतने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी हैं। फ्रेंच ओपन लाल मिट्टी पर खेला जाता है। इसलिए नडाल को लाल मिट्टी का बादशाह कहा जाता है।

21वें ग्रैंड स्लैम खिताब के प्रबल दावेदार थे जोकोविच

दूसरी तरफ जोकोविच 21वें ग्रैंड स्लैम जीतकर नडाल की बराबरी करने का सपना टूट गया है। वे 20 ग्रैंड स्लैम टाइटल जीत चुके हैं। जोकोविच अब तक 8 ऑस्ट्रेलियन ओपन, 2 फ्रेंच ओपन, 6 विंबलडन और 3 यूएस ओपन का खिताब जीते हैं। इस जीत के साथ 35 साल के राफेल नडाल ने फ्रेंच ओपन के पिछले सीजन में मिली हार का हिसाब बराबर कर लिया। साल-2021 के सीजन में जोकोविच ने सेमीफाइनल मुकाबले में नडाल को 3-6, 6-3, 7-6, 6-2 से हराते हुए बाहर कर दिया था।

SUPER HERO
यदि आप
किसी भी व्यक्ति को जानते हैं
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।
हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहें हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा सयुंक्त प्रयास रहेगा।
Contact: Editorial Desk (Lifestyle), ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com
PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

न्यूज ब्रीफ

केंद्र ने राज्यों को चुकाया जीएसटी का पूरा मुआवजा

नई दिल्ली। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के लिए मुआवजे की व्यवस्था जून में खत्म होनी है। इसलिए केंद्र सरकार ने राज्यों की 86,912 करोड़ रुपये की समूची बकाया राशि का भुगतान पहले ही कर दिया है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि यह कदम राज्यों को उनके संसाधनों के प्रबंधन में मदद करने और यह सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है कि वित्त वर्ष के दौरान उनके कार्यक्रम खास तौर पर पूंजीगत व्यय सफलतापूर्वक चलते रहें। उपकर कोष में महज 25,000 करोड़ रुपये की राशि थी, जो काफी कम थी। फिर भी पूरा मुआवजा चुका दिया गया। मंत्रालय ने कहा कि शेष धनराशि का भुगतान केंद्र ने अपने संसाधनों से किया है। राज्यों को जारी 86,912 करोड़ रुपये के मुआवजे में 47,617 करोड़ रुपये जनवरी तक के, 21,322 करोड़ रुपये फरवरी-मार्च के और 17,973 करोड़ रुपये अप्रैल-मई के थे। सरकार ने पहले ही साफ कर दिया था कि मुआवजे की अवधि जून की निर्धारित तारीख से आगे नहीं बढ़ाई जाएगी। केंद्र ने कहा कि राज्यों को दिए जाने वाले जीएसटी मुआवजे में कमी की भरपाई के लिए उसने बाजार से वित्त वर्ष 2022 में 1.59 लाख करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2021 में 1.1 लाख करोड़ रुपये उधार लेकर मुआवजा चुकाया। क्षतिपूर्ति उपकर 2026 तक जारी रहेगा, जिसका इस्तेमाल कर्ज चुकाने में किया जाएगा। केंद्र सरकार ने जुलाई 2017 में जीएसटी प्रणाली लागू होने के बाद जीएसटी राजस्व में सालाना 14 फीसदी वृद्धिका अनुमान लगाया था। राज्यों को राजस्व में होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए संसाधन जुटाने के मकसद से विलासिता के विभिन्न उत्पादों और कथित सिन गुड्स पर उपकर लगाया गया था। हालांकि महामारी के कारण आर्थिक सुधार बेपटरी हो गए, जिससे उपकर संग्रह पर असर पड़ा और उपकर कोष में कम रकम आई। मंत्रालय ने कहा कि राज्यों का संरक्षित राजस्व 14 फीसदी की चक्रवृद्धि दर से बढ़ रहा है मगर उपकर संग्रह में इस अनुपात में बढ़ोतरी नहीं हुई। कोविड-19 ने उपकर संग्रह में कमी समेत संरक्षित राजस्व और वास्तविक राजस्व प्राप्ति के बीच अंतर बढ़ा दिया।

ई-मुद्रा का शेयर छह प्रतिशत बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली। डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण-पत्र देने वाली कंपनी ई-मुद्रा लिमिटेड का शेयर बुधवार को शेयर बाजार में करीब छह प्रतिशत बढ़त के साथ सूचीबद्ध हुआ। बीएसई में ई-मुद्रा का शेयर 271 रुपये के भाव पर सूचीबद्ध हुआ जो कि उसके निर्गम मूल्य से 5.85 प्रतिशत की बढ़त दर्शाता है। बाद में यह 8.98 प्रतिशत तक की उछाल लेने में सफल रहा। एनएसई में भी कंपनी का शेयर 5.46 प्रतिशत की बढ़त के साथ 270 रुपये के भाव पर सूचीबद्ध हुआ। ई-मुद्रा के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को 2.72 गुना अभिदान मिला था। निर्गम के लिए 243 रुपये से लेकर 256 रुपये का मूल्य दायरा रखा गया था।

गोल्ड हॉलमार्किंग का दूसरा चरण शुरू : 288 जिलों में लागू होगी गोल्ड हॉलमार्किंग

यहां समझें ये क्या है और इससे आपको क्या फायदा होगा

नई दिल्ली

1 जून से सोने की हॉलमार्किंग का दूसरा चरण शुरू हो गया है। अब 256 पुराने जिलों के अलावा 32 नए जिलों में भी हॉलमार्किंग सेंटर्स खोले जाएंगे। अब इन सभी 288 जिलों में सोने के गहने की हॉलमार्किंग अनिवार्य हो गई है। इन जिलों में अब 14, 18, 20, 22, 23 और 24 कैरेट के गहने ही बेचे जा सकेंगे। ये भी हॉलमार्किंग के बाद ही बेच पाएंगे। हम आपको आज हॉलमार्किंग और इससे जुड़ी चीजों के बारे में बता रहे हैं। हॉलमार्क सरकारी गारंटी होती है। हॉलमार्क भारत की एकमात्र एजेंसी ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड देती है। हॉलमार्किंग में किसी प्रोडक्ट को तय मापदंडों पर प्रमाणित किया जाता है। बीआईएस वह संस्था है, जो ग्राहकों को उपलब्ध कराए जा रहे सोने की जांच करती है। सोने के सिक्के या गहने पर

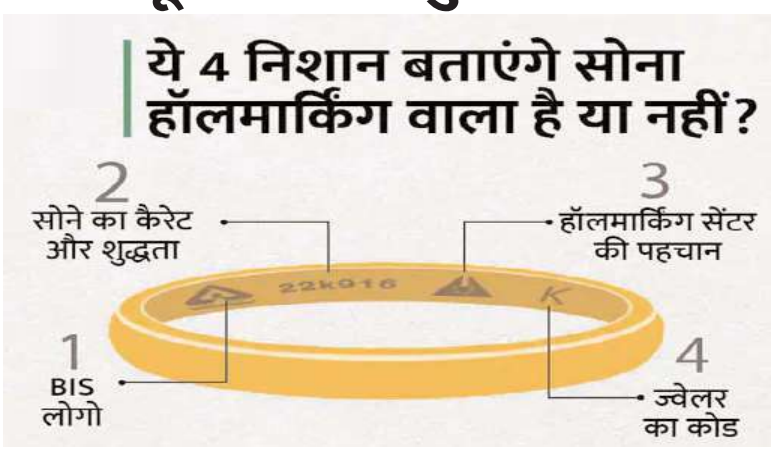

हॉलमार्क के साथ बीआईएस का लोगो लगाना जरूरी है। इससे पता चलता है कि बीआईएस की लाइसेंस वाली लैब में इसकी शुद्धता की जांच की गई है।

इसका आम आदमी को क्या फायदा होगा?

इससे आम आदमी को फायदा ही है क्योंकि अभी तक ज्वेलरी खरीदने पर कई लोगों ये पता ही नहीं रहता था कि उनका सोना कितना शुद्ध है। ऐसे में उनके साथ ठगी से संभावना रहती थी। ग्राहकों को नकली ज्वेलरी से बचाने और ज्वेलरी कारोबार की निगरानी के लिए हॉलमार्किंग जरूरी है। हॉलमार्किंग का फायदा यह है कि जब आप इसे बेचने जाएंगे तो किसी तरह की डेप्रिसिएशन कॉस्ट नहीं काटी जाएगी। मतलब आपको सोने की सही कीमत मिल सकेगी। हॉलमार्किंग में सोना कई फेज में गुजरता है। ऐसे में इसकी शुद्धता में गड़बड़ी की गुंजाइश नहीं रहती।

ऐसे समझें सोने की शुद्धता का गणित

1 कैरेट गोल्ड का मतलब होता है 1/24 गोल्ड, यदि आपके आभूषण 22 कैरेट के हैं तो 22 को 24 से भाग देकर उसे 100 से गुणा करें। (22/24)×100= 91.66 यानी आपके आभूषण में इस?तेमाल सोने की शुद्धता 91.66 फीसदी है।

नियम न मानने पर हो सकती है एक साल की सजा

बीआईएस कानून के मुताबिक हॉलमार्किंग के नियम तोड़ने वालों पर न्यूनतम 1 लाख रुपए से ज्वेलरी की वैल्यू के 5 गुना तक जुर्माने और एक साल की सजा का प्रावधान है।

हॉलमार्किंग से नई ज्वेलरी की कीमत पर क्या असर होगा?

इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के नेशनल सेक्रेटरी सुरेंद्र मेहता कहते हैं कि हॉलमार्किंग लागू होने से ज्वेलरी की कीमत पर थोड़ा ही फर्क पड़ेगा। इससे लोगों को अब सरकार टेस्टेड ज्वेलरी मिलेगी। इससे इसकी कीमत थोड़ी बढ़ी है।

पुरानी ज्वेलरी की हॉलमार्किंग कराने पर कितना खर्च आएगा और कितना समय लगेगा?

ज्वेलरी या गोल्ड आइटम पर हॉलमार्क के लिए 35 रुपए (टैक्स अतिरिक्त) है, लेकिन गहनों की शुद्धता की जांच के लिए न्यूनतम 200 रुपए और टैक्स लगेगा। बीआईएस लैब में किसी ज्वेलरी की शुद्धता आंकने या हॉलमार्क के लिए 6-8 घंटे लग सकते हैं। ऐसे में पुरानी ज्वेलरी की हॉलमार्किंग कराने कोई बहुत ज्यादा समय और पैसा नहीं लगेगा।

तुर्की ने लौटाया भारत का गेहूं : कहा- गेहूं में रूबेला वायरस

56,877 मिलयन टन अनाज से लदे जाहज को तुर्की ने वापस भेजा

नई दिल्ली

लगातार बढ़ती महंगाई और कमजोर होती करेंसी से जूझ रहे तुर्की ने भारतीय गेहूं की खेप लेने से इनकार कर दिया है। फाइटोसैनिटरी चिंताओं का हवाला देते हुए तुर्की ने ऐसा किया है। फाइटोसैनिटरी यानी पेड़-पौधों से जुड़ी बीमारी। इस्तांबुल के एक ट्रेडर ने कहा, कृषि मंत्रालय को भारतीय गेहूं की खेप में रूबेला बिमारी का पता चला है जिस कारण इसे रिजेक्ट किया गया है।% अब 56,877 मिलियन टन गेंहू से लदा एमवी इंस अकडेनिज जहाज तुर्की के इस्केंडरुन पोर्ट से वापस निकल चुका है और इसके जून के मध्य तक गुजरात के कांडला पोर्ट पर पहुंचने की उम्मीद है। एस×पी ग्लोबल ने इससे जुड़ी एक रिपोर्ट पब्लिश की है।

भारतीय निर्यातकों की बढ़ी चिंता:-

तुर्की के कृषि मंत्रालय ने खेप को रिजेक्ट करने से जुड़े सवालों का अब तक कोई जवाब नहीं दिया है। तुर्की का यह कदम ऐसे समय में आया है जब रूस-यूक्रेन जंग के कारण गेहूं की सप्लाई दुनियाभर में प्रभावित हुई है और अंतरराष्ट्रीय खरीदार गेहूं की आपूर्ति सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे हैं। तुर्की के इस कदम ने

भारतीय निर्यातकों की थोड़ी बहुत चिंता बढ़ा दी है। ऐसा इसलिए क्योंकि अगले कुछ दिनों में मिस्र सहित विभिन्न देशों में भारतीय गेहूं का शिपमेंट जाना है। हालांकि, मिस्र ने करीब 2 महीने पहले ही क्लालिटी चेक के बाद भारत को गेहूं सप्लायर के रूप में मंजूरी दी थी।

इंडियन फाइटोसैनिटरी मेजर्स का इंस्पेक्शन

भारतीय गेहूं की क्वालिटी चेक करने के लिए मिस्र का एक डेलिगेशन भारत आया था। इस डेलिगेशन ने मध्य प्रदेश, पंजाब और महाराष्ट्र का दौरा किया था। डेलिगेशन ने गेहूं के सैंपल्स की जांच की थी। इंडियन फाइटोसैनिटरी मेजर्स का भी इंस्पेक्शन किया था। भारत में मिस्र के राजदूत वाल मोहम्मद अवद हमीद भी इस टीम के साथ थे। भारत दुनिया में गेहूं का दूसरा बड़ा उत्पादक देश है, लेकिन वो कम गेहूं एक्सपोर्ट करता है। दुनिया का सबसे बड़ा गेहूं एक्सपोर्टर रूस है। गेहूं एक्सपोर्ट में यूक्रेन 6 नंबर पर है। रूस-यूक्रेन जंग के कारण ग्लोबल मार्केट में गेहूं की उपलब्धता में गिरावट आई है। तुर्की के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बीते दिनों रॉयटर को बताया था कि तुर्की की रूस और यूक्रेन के साथ कॉरिडोर के जरिए ग्रेन एक्सपोर्ट करने पर बातचीत चल रही है। फरवरी में रूस के आक्रमण के बाद से यूक्रेन के ब्लैक सी पोर्ट्स को ब्लॉक कर दिया गया था।

भारत ने गेहूं एक्सपोर्ट पर बैन लगाया

भारत ने गेहूं की बढ़ती घरेलू कीमतों को रोकने के उद्देश्य से 13 मई को गेहूं के निर्यात को प्रतिबंधित कर दिया था। सरकार ने यह भी साफ किया है कि जिन कंपनियों-फर्मों को 13 मई तक लेटर ऑफ क्रेडिट (एलओसी) मिल चुके हैं, वे निर्यात कर सकेंगे। एक्सपोर्ट पर अगर सरकार रोक नहीं लगाती तो 2006-07 जैसे हालात बन सकते थे। उस समय भारत को गेहूं इंपोर्ट करना पड़ा था वो भी लगभग डेढ़ गुना ज्यादा कीमत पर। सरकार अगर रोक नहीं लगती तो भारत में गेहूं के दाम 3000 रुपए प्रति क्विंटल तक उछल सकते थे, जो अभी 2500 रु. के करीब है। इस कारण वहां 20 मिलियन टन से ज्यादा अनाज सिलोस में फंसा हुआ है। हालांकि अगर तुर्की की रूस और यूक्रेन के साथ गेहूं आयात करने का बातचीत फेल हो जाती है तो उसका भारतीय गेहूं को रिजेक्ट करने का फैसला महंगा पड़ सकता है।

महंगाई से थोड़ी राहत

कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 135 रुपए सस्ता हुआ

शहर	दाम (रुपए में)
चेन्नई	2,373
कोलकाता	2,322
दिल्ली	2,219
मुंबई	2,171.50

दिल्ली में कीमत 2219 रुपए हुई

नई दिल्ली

महीने के पहले दिन, यानी 1 जून को 19 किलो वाले कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत 135 रुपए की कटौती की गई है। हालांकि, 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू सिलेंडर की कीमत में कोई कटौती नहीं की गई है।

अब इतनी हो गई कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमतें

इस बदलाव के बाद दिल्ली में 19 किलो वाले सिलेंडर के दाम घटकर 2,219 रुपए हो गए हैं। इससे पहले ये सिलेंडर 2,354 रुपए में मिल रहा था। इसी तरह कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम कोलकाता में 2,454 रुपए की जगह 2,322 रुपए, मुंबई में 2,306 रुपए से कम होकर 2,171.50 रुपए और चेन्नई में 2,507 रुपए से कम होकर 2,373 रुपए हो गए हैं।

मई में 2 बार महंगा हुआ था कॉमर्शियल सिलेंडर

इससे पहले पिछले महीने 19 तारीख को घरेलू और कमर्शियल दोनों तरह के सिलेंडर के दाम बढ़ाए गए थे। उस समय 14 किलो वाले घरेलू सिलेंडर के दाम 3.50 रुपए और 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर के दाम 8 रुपए बढ़ाए गए थे। यह एक ही महीने के भीतर सिलेंडर के दाम में दूसरी बढ़ोतरी थी।

इससे पहले 1 मई को 19 किलो वाले कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत 102 रुपए बढ़ी थी। वहीं इससे पहले कॉमर्शियल सिलेंडरों के दाम 1 अप्रैल को बढ़े थे। तक इसकी कीमत में 250 रुपए का इजाफा किया गया था।

तेलंगाना ने आठ साल में 2.34 लाख करोड़ रुपये का निवेश जुटाया

नई दिल्ली

वर्ष 2014 में एक अलग राज्य के तौर पर तेलंगाना का गठन होने के बाद से अब तक यह राज्य 2.34 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आकर्षित करने में सफल रहा है। तेलंगाना सरकार की एक आधिकारिक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। इसके मुताबिक, उद्यमियों को तय समय के भीतर जरूरी मंजूरियां देने के लिए लाए गए तेलंगाना राज्य औद्योगिक परियोजना अनुमति एवं स्व-प्रमाणन प्रणाली (टीएस-आईपास) अधिनियम की इसमें अहम भूमिका रही है। रिपोर्ट कहती है कि आज की तारीख तक राज्य में 2,34,836 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी जा चुकी है। इससे 76,56,460 लोगों को रोजगार मिलने का अनुमान है। इनमें से 1.33 लाख करोड़ रुपये निवेश योजना वाली 15,747 इकाइयों ने अपना कामकाज शुरू भी कर दिया है और वे 9.95 लाख लोगों को रोजगार दे रही हैं।

इस रिपोर्ट के मुताबिक तेलंगाना राज्य औद्योगिक विकास एवं उद्यमी उन्नति (टी-आइडिया) प्रोत्साहन योजना, 2014 के जरिये राज्य सरकार उद्यमियों को कई तरह के प्रोत्साहन दे रही है। अभी तक 200 बीमार कंपनियों को मदद भी दी जा चुकी है। रामागुंडम फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड को फिर से शुरू करने के लिए राज्य सरकार ने 11 प्रतिशत इक्विटी के अलावा 261 करोड़ रुपये की राशि भी जारी की है। वहीं सिरपुर पेपर मिल्स लिमिटेड, आदिताबाद को दोबारा चालू करने के लिए सरकार ने जेके पेपर्स लिमिटेड के प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी है।

मई में एफपीआई की खूब बिकवाली

नई दिल्ली

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने मई में शेयर बाजार से करीब 44,000 करोड़ रुपये की निकासी की है। 1993 के बाद से यह दूसरा मौका है, जब विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजार से किसी महीने में इतनी भारी बिकवाली की है। सबसे ज्यादा 58,632 करोड़ रुपये की बिकवाली मार्च 2020 में की गई थी, जब कोविड महामारी से दुनिया में हाहाकार मचा था। विदेशी निवेशकों की हालिया बिकवाली, अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति में सख्ती और रूस-यूक्रेन युद्ध तथा चीन में लॉकडाउन के कारण जिंसों की कीमतों में तेजी ने चिंता बढ़ा दी है। अल्फानीति फिनटेक के सह-संस्थापक यूआर भट्ट ने कहा, 'रूस-यूक्रेन युद्ध लंबा खिंचने और फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरें बढ़ाए जाने से एफपीआई लगातार बिकवाली कर रहे हैं। मार्च 2020 की बिकवाली के बाद एफपीआई ने जमकर खरीदारी भी की थी और तगड़ा मुनाफा कमाया था। पिछले कई महीनों से मौद्रिक नीति सख्त होने और ब्याज दरें बढ़ाए जाने के संकेत मिल रहे थे। उसके बाद से ही विदेशी निवेशक बिकवाली करने में जुट गए। हालांकि देसी निवेशकों की लिवाली ने कुछ हद तक भरपाई की है।' एफपीआई की सबसे ज्यादा बिकवाली वाले 10 महीने में से 5 पिछले आठ महीनों के दौरान आए। विदेशी निवेशकों ने महामारी के बाद प्रोत्साहन उपाय वापस लिए जाने से पहले अक्टूबर से ही बिकवाली शुरू कर दी थी। मई में एफपीआई लगातार आठवें महीने शुद्ध बिकवाल रहे और इस दौरान करीब 2 लाख करोड़ रुपये की निकासी की। हालांकि भारत के कुल बाजार पूंजीकरण के हिसाब से हालिया बिकवाली अपेक्षाकृत कम रही, जिससे पता लगता है कि बाजार एफपीआई की बिकवाली बरदाश्त कर सकता है। उदाहरण के लिए मार्च 2020 में 8 अरब डॉलर की बिकवाली की गई थी, जो भारतीय बाजार के लिए बड़ा झटका था क्योंकि औसत बाजार पूंजीकरण केवल 125 लाख करोड़ रुपये था, जो अब बढ़कर 253 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इसी तरह जनवरी 2008 में वैश्विक वित्तीय संकट के दौरान 4.4 अरब डॉलर की निकासी की गई थी, जबकि उस समय बाजार पूंजीकरण महज 67 लाख करोड़ रुपये था। भट्ट ने कहा, '3 अरब डॉलर से 4 अरब डॉलर की बिकवाली की भरपाई हो सकती है, जो बाजार के परिपक्व होने का संकेत है। लेकिन ब्याज दरें बढ़ाए जाने और फेडरल रिजर्व द्वारा बैलेंस शीट का आकार घटाए जाने से आगे एफपीआई की बिकवाली बढ़ सकती है।' पिछले साल अक्टूबर से एफपीआई की बिकवाली जारी है, जिसके कारण भारतीय बाजार में लगातार उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है और निवेशक परेशान हैं। अवेंडस कैपिटल अल्टरनेट स्ट्रैटजीज के मुख्य कार्याधिकारी एंड्रयू हॉलैंड ने कहा, 'वैश्विक स्तर पर ब्याज दरें बढ़ रही हैं, जिससे बाजार में उतार-चढ़ाव ज्यादा है। फेडरल रिजर्व ने अभी अपनी बैलेंस शीट का आकार कम नहीं किया है। ऐसे में अगले दो महीने में और बिकवाली देखी जा सकती है। यूरोप और ब्रिटेन भी मंदी में फंस सकता है।'हाल के महीनों में भारत के बाजार में एफपीआई की बिकवाली इंडोनेशिया जैसे अन्य उभरते बाजारों की तुलना में ज्यादा है। विशेषज्ञों का कहना है कि मार्च 2020 से घरेलू बाजार के शानदार प्रदर्शन और अन्य उभरते बाजारों में बेहतर मूल्यांकन के कारण विदेशी निवेशक भारत के शेयर बाजार में बिकवाली कर रहे हैं। मगर दीर्घावधि में एफपीआई भारत के बाजार में लौट सकते हैं।

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलप सेंटर न्यूज के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हलेपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91 जहांगीराबाद भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र।
आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, फोन- 0755-42223334, पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल होगा।)